दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 319 जयपुर, शनिवार, 28 अक्टूबर, 2023 | आश्विन, शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

रुपया यूएस डॉलर के मुकाबले 83.25 पर स्थिर

मुंबई। रुपए में तीन दिन से जारी गिरावट आखिरकार शुक्रवार को थम गई और रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.25 (अस्थाई) पर स्थिर रहा। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने सकारात्मक घरेलू बाजारों का समर्थन सीमित कर दिया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेशकों के बिकवाल रहने से भारतीय मुद्रा सीमित दायरे में ही मजबूत हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.24 पर खुला। दिन में इसने 83.22 से 83.25 प्रति डॉलर के बीच कारोबार किया। गुरुवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ 83.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

रीतिका बनीं अंडर-23 विश्व चैंपियन, ज्योति फाइनल में

तिराना (अल्बानिया)। भारत की रीतिका हुडा 76 किग्रा स्पर्धा में अपनी खिताबी जीत के साथ शुक्रवार को यहां अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाली दूसरी भारतीय और देश की पहली महिला पहलवान बन गईं। वहीं ज्योति बेरवाल ने 72 किग्रा के फाइनल में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की तरफ कदम बढ़ाए। रीतिका ने फाइनल में अमेरिका की केनेडी एलेक्सिस ब्लेड्स को 9-2 से हराया। उन्होंने पिछले साल अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप और इस साल सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीते थे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

आय से अधिक संपत्ति पर एक्शन: ‘सच बेधड़क’ के खुलासे के बाद आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई बड़ी कार्रवाई

एसीबी ने IAS मेघराज सिंह रत्नू के कई ठिकानों पर मारे छापे

बेधड़क | जयपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने शुक्रवार को आय से अधिक संपत्ति के मामलों में ‘सच बेधड़क’ के खुलासे के बाद बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार मेघराज सिंह रत्नू व उनकी पत्नी समेत अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज करके उनके पांच जिलों में स्थित ठिकानों पर छापेमारी की है। सुबह से एसीबी ने रत्नू के जगतपुरा स्थित एनआरआई कॉलोनी स्थित घर और सहकार भवन में उनके ऑफिस में सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके अलावा रत्नू के रिश्तेदारों व उनके जयपुर समेत अजमेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर व सीकर स्थित ठिकानों पर भी तलाशी ली।

एसीबी के एक्शन बड़े-रिजल्ट छोटे
आय से अधिक संपत्ति के 14% मामलों में एफआर...
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जाता है
मकसद क्या!
छवि खराब करना या फिर मिलीभगत से क्लीनचिट
आईएएस के चर्चित प्रकरण में एफआर

खबर का असर | बेधड़क इंपैक्ट

- बेटी की शादी में 1.50 करोड़ और दोनों बच्चों की शिक्षा पर 1.10 करोड़ रुपए किए खर्च
- ‘सच बेधड़क’ ने 27 अक्टूबर के अंक में छापी “आय से अधिक संपत्ति के 14% मामलों में एफआर...” शीर्षक से खबर

बेटे के नाम से 4 बैंकों में लॉकर: प्रियदर्शी

एसीबी के कार्यवाहक डीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि सर्च की कार्रवाई में एसीबी को घर की तलाशी में 6 लाख रुपए की नकदी, सोने-चांदी के जेवरात, मेघराज सिंह के पुत्र मिहीर रत्नू के नाम से एसबीआई, एचडीएफसी, एयू स्मॉल बैंक में 4 लॉकर मिले हैं। जिनकी एसीबी सर्च करेगी। वहीं, परिजनों के नाम से विभिन्न बैंकों में कई खाते, तीन लग्जरी कार और प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले हैं। एसीबी की जांच में सामने आया कि आरोपी मेघराज सिंह ने अपनी पुत्री की शिक्षा पर करीब 60 लाख और उसकी शादी में 1.50 करोड़ रुपए खर्च किए। इसके अलावा मिले संपत्ति के तमाम दस्तावेज की जांच की जा रही है।

11 प्लाट और फ्लैट के दस्तावेज मिले

मेघराज सिंह रत्नू के नाम से शास्त्री नगर हाउसिंग स्कीम में 600 वर्गगज, महालक्ष्मी नगर में 422 वर्गगज, शिव शक्ति नगर जगतपुरा में 1020 वर्गगज, शिव ऑफिसर कॉलोनी में 500 वर्गगज, सालासर ओवरसीज की बालाजी ब्लेसिंग में 904.16 वर्गगज के प्लाट के दस्तावेज मिले है। पत्नी मंजूला रत्नू के नाम से महालक्ष्मी नगर में 422 वर्गगज, त्रिमूर्ति कॉम्पलेक्स मालवीय नगर में दो 1242-1242 वर्गफीट के फ्लैट, बेटी माहीजा रत्नू के नाम से महालक्ष्मी नगर में 422 वर्गगज का प्लाट। भांजे महिपाल सिंह व उसकी पत्नी मनीषा बारेठ के नाम पर बालाजी ब्लेसिंग में में 500-500 वर्गगज के प्लाट के दस्तावेज मिले हैं।

बेटे की मेडिकल कॉलेज में सीट के लिए दिए 50 लाख रुपए

बेटे की महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज में मेडिकल सीट के लिए करीब 50 लाख रुपए के भुगतान संबंधी दस्तावेज भी मिले हैं। रत्नू के ऑफिस में सर्च के दौरान एसीबी को उनकी एलआईसी की पॉलिसी की रसीद, बिजली का बिल, चार संदिग्ध डायरियां, एक पेन ड्राइव, मेघराज सिंह के नाम से एसबीआई के चेक की फोटो मिली है।

कांग्रेस की गारंटियां: हर वर्ग को साधा... 5 और घोषणाएं

फोटो: पंकज शर्मा

सरकार आई तो बनेगा OPS कानून, छात्रों को लैपटॉप

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के प्रचार में कांग्रेस ने मेनिफेस्टो से पहले गारंटी कार्ड लागू कर दिया है। सरकार बनने पर कांग्रेस, प्रदेश की जनता से सात गारंटियों की योजना लागू करेगी। कांग्रेस वॉर रूम में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री गहलोत, प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने जनता को 5 गारंटियां लागू करने का वादा किया। बता दें, दो गारंटियों की घोषणा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की बुधवार को आयोजित अरड़ावता (झुंझनूं) की सभा में की थी। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि राजस्थान में फिर से कांग्रेस सरकार आती है तो छत्तीसगढ़ की तरह राजस्थान में भी गोधन गारंटी योजना लागू करेगी। इसके साथ ही कॉलेज स्टूडेंट्स को लैपटॉप दिए जाएंगे। जाहिर है, कांग्रेस ने इन गारंटियों के माध्यम से किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों और युवाओं सहित तमाम वर्गों को साधने का प्रयास किया है।

- **कहा...** राजस्थान में कुत्ते बिल्ली से ज्यादा घूम रही ईडी
- **बोले...** रिपीट हुई तो सरकार 2 रुपए किलो खरीदेगी गोबर

ईडी के छापों पर बरसे गहलोत

प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पहले ईडी की लगातार हो रही कार्रवाइयों पर मुख्यमंत्री गहलोत ने मोदी सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि कितने दुख की बात है कि एक राज्य के मुख्यमंत्री को यह कहना पड़ रहा है कि प्रदेश में ईडी कुत्तों से ज्यादा घूम रही है। घर-घर में जा रही है। गहलोत ने कहा कि यह बयान मेरा नहीं हैं। मैंने एक मुख्यमंत्री को कोट करके हुए यह बात कही है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुंगेली जिले में गुरुवार को सभा में कहा था, ‘आज सड़कों पर जितने कुत्ते-बिल्ली नहीं घूमते, उससे कहीं ज्यादा ईडी और आईटी वाले घूम रहे हैं।’ बघेल के बयान को लेकर ही गहलोत ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

कांग्रेस की अब तक 7 गारंटियां

1. छत्तीसगढ़ की तर्ज पर किसानों के लिए गोधन गारंटी लागू करने का वादा किया है। इसमें सरकार द्वारा गाय का गोबर 2 रुपए किलो खरीदा जाएगा।
2. छात्रों के लिए सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में एडमिशन के लिए लॉटरी की जरूरत नहीं होगी। स्कूल में सभी को एडमिशन दिया जाएगा।
3. प्रदेश के हर कॉलेज में प्रवेश लेने पर युवाओं को एडमिशन के साथ ही लैपटॉप या टैबलेट दिया जाएगा।
4. प्राकृतिक आपदा में हुए नुकसान में पीड़ित परिवार का 15 लाख रुपए तक का बीमा करवाया जाएगा।
5. राज्य में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दे रहे हैं। अब ओपीएस गारंटी कानून लाया जाएगा।
6. वहीं दो दिन पहले प्रियंका गांधी ने गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के तहत महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपए दिए जाएंगे।
7. सभी परिवारों को 500 रुपए में सिलेंडर दिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में ईडी वाले घर किराए पर लेकर बैठ गए: गहलोत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ईडी वालों ने पिछले छह महीने से घर तक किराए ले लिए हैं तो वहां का मुख्यमंत्री क्या करेगा? केंद्र के इशारे पर ईडी और सीबीआई नाच रही है। मैंने जांच एजेंसियों के प्रमुखों से टाइम मांगा, एक बार टाइम दे भी दिया, लेकिन बाद में मुकर गए।

भाजपा कोर कमेटी की बैठक

जिताऊ प्रत्याशी ढूंढने के लिए चला नामों पर मंथन

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश भाजपा कोर कमेटी की बैठक शुक्रवार को हुई। इस बैठक में विधानसभा की बाकी बची हुई सीटों पर जिताऊ उम्मीदवारों के नामों को लेकर मंथन किया गया।

जयपुर के एक होटल में हुई इस बैठक में बाकी बची हुई 76 सीटों पर प्रत्याशी उतारने के संभावित नामों को लेकर चर्चा की गई। भाजपा अब तक 200 विधानसभा सीटों में से 124 सीट पर अपने प्रत्याशी राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मैदान में उतार चुकी है। अब 76 सीटों पर प्रत्याशी फाइनल करने हैं।

शेष बची 76 सीट में से 66 सीट ऐसी हैं, जिन पर भाजपा पिछला चुनाव हार गई थी। हालांकि इनमें कुछ सीटें ऐसी हैं, जिन पर भाजपा कम अंतर से हारी थी। ऐसे में इन सीटों पर प्रत्याशी चयन करना भाजपा के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। इसके अलावा कोर कमेटी में प्रत्याशियों की जारी सूचियों को लेकर होने वाली बगावत को रोकने को लेकर चर्चा की गई।

हालांकि, प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होने से पहले दिल्ली में पहले राजस्थान कोर कमेटी के सदस्यों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तमाम नामों पर चर्चा करेंगे। और सूची को सीईसी की बैठक में रखा जाएगा। जहां कोर कमेटी में फाइनल हुए 76 नामों पर अंतिम मुहर लगेगी।

बैठक में ये नेता हुए शामिल

इस बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां सहित कई वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में भाजपा प्रत्याशियों की तीसरी सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वर्ल्ड कप का सबसे रोमांचक मैच

पाकिस्तान एक विकेट से हारा... बंद हुए सेमीफाइनल के रास्ते!

चेन्नई (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 1992 की चैंपियन पाकिस्तान क्रिकेट टीम का वर्ल्ड कप 2023 में खेल लगभग खत्म हो चुका है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली रोमांचक हार ने उसके सेमीफाइनल में पहुंचने के दरवाजे बंद कर दिए हैं। अब कोई करिश्मा ही बाबर सेना को नॉकआउट राउंड में एंट्री दिला सकता है। यहां चेपॉक की धीमी पिच पर बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के चलते पाकिस्तान टॉस जीतकर 46.4 ओवर में 270 रन पर ही सिमट गया। जवाब में साउथ अफ्रीका ने एडन मार्करम की 91 रन की पारी और केशव महाराज (21 गेंद में नाबाद 7 रन) के विनिंग चौके के बूते एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। अब छह मैच में पांच जीत के साथ साउथ अफ्रीकी टीम पॉइंट्स टेबल में नंबर वन पोजिशन पर आ चुकी है तो पाकिस्तानी टीम छह मैच में चार हार के साथ छठे नंबर जा चुकी है। साउथ अफ्रीका के लिए चार विकेट लेने वाले तबरेज शम्सी प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

आंशिक चंद्रग्रहण

आज भारत में साल का आखिरी ग्रहण, गोविंददेवजी के होंगे विशेष दर्शन

- स्पर्श काल रात 1:05, मध्य काल 1:44 और मोक्ष काल 2:22 बजे
- जयपुर में सूतक काल शुरू होगा शाम 4:05 बजे से
- इस चंद्र ग्रहण के बाद करीब एक साल बाद सितंबर 2024 में होगा ग्रहण

बेधड़क | जयपुर

इस साल का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण शनिवार रात को दिखाई देगा। भारत में इस ग्रहण की शुरुआत रात में 1 बजकर 5 मिनट से होगी। चंद्र ग्रहण रात 2 बजकर 22 मिनट तक चलेगा। स्पष्ट है यह ग्रहण 1 घंटा 19 मिनट चलेगा। 28-29 अक्टूबर की दरमियानी रात में हो रहा यह चंद्र ग्रहण आंशिक होगा। बता दें, पिछले सप्ताह हुए सूर्य ग्रहण के 14 दिनों बाद यह चंद्र ग्रहण होने जा रहा है। आधी रात में ग्रहण के दौरान गोविंददेवजी मंदिर में विशेष दर्शन खुले रहेंगे। मंदिर में दर्शनार्थियों को ग्रहण शुरू होने से पूर्व प्रवेश करना और मोक्ष काल के बाद ही निकलना होगा।

देश में इन स्थानों दिखेगा ग्रहण

भारत में यह ग्रहण दिल्ली, जयपुर, जम्मू, कोल्हापुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना, रायपुर, राजकोट, रांची, शिमला, सिल्चर, उदयपुर, उज्जैन, वडोदरा, वाराणसी, प्रयागराज, चेन्नई, हरिद्वार, मथुरा, हिसार, बरेली, कानपुर, आगरा, रेवाड़ी, अजमेर, अहमदाबाद, अमृतसर, बेंगलुरु समेत अन्य शहरों में देखा जा सकेगा।

कैसे होता है चंद्र ग्रहण?

जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच होती है, तो चंद्रमा की सतह पर छाया पड़ने से चंद्र ग्रहण होता है। जब धरती की छाया चंद्रमा के कुछ हिस्से पर पड़ती है। तब इसे आंशिक चंद्र ग्रहण कहा जाता है। यह ग्रहण लंबे वक्त के लिए नहीं लगता है। शनिवार को होने जा रहे चंद्र ग्रहण के बाद अगले साल 17 सितंबर 2024 को ग्रहण होगा।

नहीं रख सकेंगे चांद की रोशनी में खीर

ज्योतिषाचार्य और बंशीधर पंचाग के निर्माता दामोदर प्रसाद ने बताया कि इस ग्रहण का सूतक शनिवार शाम 4:05 बजे से ही लग जाएगा। चंद्र ग्रहण का स्पर्श काल 1:05 बजे, मध्य काल रात्रि 1:44 बजे और मोक्ष काल रात्रि 2:22 बजे रहेगा। सूतक लगने से चांद की रोशनी में खीर को नहीं रख सकेंगे और न ही ठाकुरजी को खीर का भोग लगेगा। यह खंडग्रास चंद्र ग्रहण अश्विनी नक्षत्र और मेष राशि में गठित हो रहा है। अत: अश्विनी नक्षत्र और मेष राशि में जन्मे व्यक्तियों के लिए ग्रहण अशुभ फलदायक है।

गोविंददेवजी मंदिर में ग्रहणारंभ से पूर्व करें प्रवेश: जयपुर शहर के आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में ग्रहण के दौरान ठाकुरजी के विशेष दर्शन होंगे। इस दौरान हरिनाम संकीर्तन होगा। दर्शनार्थी मंदिर में ग्रहण शुरू होने से पहले प्रवेश कर ग्रहण शुद्धि के बाद ही बाहर निकल सकेंगे। ग्रहण के दौरान ठाकुरजी की परिक्रमा नहीं की जा सकेगी।

जरूरी खबर

भाजपा का हल्ला बोल कार्यक्रम आज से

जयपुर। कांग्रेस सरकार के कुशासन के खिलाफ भाजपा हल्ला बोल कार्यक्रम का आगाज शनिवार से कारेगी। इस संबंध में भाजपा के प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा ने बताया कि हल्ला बोल कार्यक्रम में कांग्रेस राज में पेपर लीक की घटनाओं के साथ बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, भ्रष्टाचार, किसानों की जमीन कुर्क, महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा जाएगा व हजारों युवा कांग्रेस की गलत नीतियों का विरोध करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी करेंगे।

राजनीतिक दलों को 48 घंटे में देना होगा स्पष्टीकरण

जयपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष एवं भयमुक्त विधानसभा चुनाव संपन्न करवाने को लेकर इस बार अनूठा नवाचार किया है। जिसके तहत आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवार को प्रत्याशी बनाए जाने पर राजनीतिक दलों को प्रमुख समाचार पत्रों एवं प्रमुख न्यूज चैनल में विज्ञापन प्रकाशित एवं प्रसारित कर अपना स्पष्टीकरण जारी करना होगा। विज्ञापन के माध्यम से उम्मीदवार के चयन के पीछे के कारणों का उल्लेख भी किया जाएगा। प्रकाशन एक बार राष्ट्रीय समाचार पत्र में तथा एक बार स्थानीय समाचार पत्र में किया जाना आवश्यक होगा। समाचार-पत्र का चयन करते समय निर्देश की पालना सुनिश्चित करनी होगी।

ईडी पर सीएम गहलोत का बयान शर्मनाक: भारद्वाज

जयपुर। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकान्त भारद्वाज ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल के बयान को इंगित करते हुए ईडी पर दिए गए बयान को उनका मानसिक दिवालियापन बताया है। ईडी की तुलना कुत्तों से किए जाने पर लक्ष्मीकान्त भारद्वाज ने कहा कि पूरा देश जानता है कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पूरे पांच साल तक कुर्सी का संघर्ष चलता रहा है। इन दोनों राज्यों में ही कांग्रेस के नेता आपस में एक दूसरे से कुर्सी के लिए लड़ते रहे हैं लेकिन इसके बावजूद ईडी को कुत्ता बताया जा रहा है।

गहलोत के ईडी पर दिए बयान पर भाजपा का पलटवार, कितनी बार पद का दुरुपयोग करेंगे सीएम

चुनावी प्रचार में जुटी भाजपा, एलईडी रथों को किया रवाना

कांग्रेस की 7 गारंटियों के भी हाल वही होंगे जो अधूरी योजनाओं के हैं

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ईडी को लेकर दिए बयान पर भाजपा नेताओं पलटवार किया है। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए सीएम कितनी बार इस पद की गरिमा को खंडित करने का काम करेंगे। वहीं जयपुर के प्रदेश भाजपा कार्यालय से शुक्रवार को 200 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार के लिए, केंद्र की मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों और योजनाओं के साथ भाजपा की रीति, नीति और संकल्प को जन जन तक पहुंचाने के लिए एलईडी रथों को प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नारायण पंचारिया सहित अन्य नेताओं ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जैसे अनुभवी और वरिष्ठ नेता की ईडी पर अभद्र भाषा का प्रयोग उनके डर और चुनाव की संभावित हार को दिखा रहा है। उनको यह भय सता रहा है कि उनकी सरकार का काला चेहरा जो अब तक छिपा हुआ था वह जनता के सामने आ चुका है, जो उनकी सत्ता जाने का कारण बनेगा।

लाखों युवाओं का भविष्य किया बर्बाद

जोशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है। आरपीएससी के सदस्य कह रहे हैं कि हम पैसे देकर सदस्य बने हैं। एसीबी के रिटायर्ड डीजी बयान देते हैं कि सरकार भ्रष्टाचार की बड़ी मछली तक हाथ नहीं पहुंचने देती। प्रदेश की जनता ने देखा है कि भ्रष्टाचार के कितने नए-नए मामले इस सरकार में आए दिन उजागर हुए हैं। गहलोत को संयम रखना चाहिए, यदि वे ईमानदार हैं, तो डर किस बात का। डर इसलिए है कि परत दर परत इनके भ्रष्टाचार की पोल खुलती जा रही है। डर यह बता रहा है कि इनकी सत्ता की कहानी का अंत होने वाला हैं।

अनर्गल टिप्पणी करने का बनाया रिकॉर्ड

वहीं नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम गहलोत संवैधानिक पद पर रहते हुए और कितनी बार इस पद की गरिमा को खंडित करने का कार्य करेंगे। इस पद पर रहते हुए लोकतंत्र के चारों स्तंभों पर अनर्गल टिप्पणी करने का रिकॉर्ड बना दिया है। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को लेकर गहलोत का फिर दिया गया बयान बेहद निंदनीय हैं। वैधानिक संस्था को लेकर इस तरह की स्तरहीन टिप्पणी कांग्रेस की मानसिकता और बौखलाहट को दर्शाता है। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के इतिहास में पहली बार ऐसी सरकार है जो अपने खोए जनाधार को बचाने के लिए प्रदेश की जनता को गारंटी देने के नाम पर झूठे वादों की झड़ी लगा रही है। सीएम के करीबी कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया और उनके रिश्तेदार के घर ईडी का छापा यह बताता है कि जनता ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार और सुशासन के राज में 5 साल बेहाल होकर गुजारे हैं, अब वह कांग्रेस की इस तरह की चुनावी गारंटियों के झांसे में नहीं आएगी। राठौड़ ने कहा कि सरकार एक ओर चुनावी गारंटी दे रही है ,वहीं दूसरी ओर राज्य के वित्तीय कुप्रबंधन के हालात किसी से छिपे नहीं हैं। आरबीआई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 के दौरान राजस्थान का कर्ज बढ़कर 5 लाख 37 हजार 13 करोड़ हो गया है।

कोर कमेटी की बैठक में हुआ 105 सीटों पर मंथन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ईडी के एक्शन के खिलाफ हल्ला बोल

कलाम कोचिंग से मेरा और मेरे परिवार का कोई लिंक नहीं: डोटासरा

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस के कोर कमेटी की बैठक शुक्रवार को जयपुर में हुई। इस बैठक में कांग्रेस की बाकी बची हुई 105 सीटों पर टिकट वितरण को लेकर मंथन हुआ। कांग्रेस अब तक 200 विधानसभा सीटों में से 95 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। बैठक पूरी होने के बाद सीएम अशोक गहलोत व प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इसमें घोषणाओं को लेकर गारंटी दी। इसके बाद ईडी की कार्रवाई के विरोध में जयपुर के अम्बेडकर सर्किल स्थित ईडी कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया गया। कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि विरोध-प्रदर्शन में सहप्रभारी अमृता धवन, वीरेन्द्र सिंह राठौड़, प्रतापसिंह खाचरियावास, गंगा देवी, गोपाल मीणा, वेदप्रकाश सोलंकी, डॉ.अर्चना शर्मा, पुष्पेन्द्र भारद्वाज, नसीम अख्तर इंसाफ, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष आरआर तिवाड़ी सहित कई कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने की बैरिकेडिंग

यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई की ओर से भी ईडी दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर ईडी कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग की गई थी। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ईडी दफ्तर के बाहर ही रोक दिया गया, जहां पर पुलिस प्रशासन और कार्यकर्ताओं के बीच काफी खींचतान हुई। इस दौरान अमृता धवन ने कहा कि एनफोर्समेंट डायरेक्ट्रेट भाजपा का इलेक्शन डिपार्टमेंट बनकर रह गया है। सिर्फ कांग्रेस के नेताओं पर ईडी छापेमारी कर रही है। यह बहुत ही निंदनीय है, ये भाजपा की बौखलाहट को दर्शाता है और बताता है कि भाजपा डरी हुई है। देश के कोने-कोने में भाजपा के खिलाफ कोई भी बात करता है तो वहां पर ईडी छापेमारी करती है। छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में भी इसी तरह किया गया था। राजस्थान में लगातार कांग्रेस के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। जिस तरह से ईडी का उपयोग किया जा रहा है, वो इस बात का प्रमाण है कि भाजपा ने मान लिया है कि वो राजस्थान का चुनाव हार रही है। साथ ही जनता के बीच ईडी की क्रेडिबिलिटी खत्म होती जा रही है। ईडी कार्रवाई करने जाती है, लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगता और खाली हाथ लौट जाते है।

प्रवर्तन निदेशालय ने मेरे से एक सवाल नहीं पूछा

ईडी रेड को लेकर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मेरे से एक सवाल भी ईडी ने नहीं पूछा। मेरे बेटे अविनाश डोटासरा के नाम सर्च वारंट था। मेरे सभी आवास पर सर्च किया गया। कलाम कोचिंग इंस्टीट्यूट से मेरा और मेरे परिवार का कोई लिंक नहीं है। मैंने उन्हें अपने सभी परिसरों की तलाशी लेने की अनुमति दे दी। उन्होंने सिर्फ मेरा मोबाइल छीन लिया। मेरा कलाम इंस्टीट्यूट (जो पेपर लीक घोटाले के केंद्र में है) से कोई संबंध नहीं है। ईडी को ऐसे कोई दस्तावेज नहीं मिले।

स्क्रीनिंग कमेटी 29 को

राजस्थान कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक शुक्रवार को हुई। इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और कोर कमेटी के सभी सदस्यों ने बैठकर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा की। 29 अक्टूबर को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक दिल्ली में होगी। बैठक में शेष 95 से ज्यादा सीटों के उम्मीदवारों के नामों को लेकर चर्चा हुई और हर विधानसभा वार चर्चा हुई। कोर कमेटी में यह हुए नामों के पैनल को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में रखा जाएगा और वहां संभावित दावेदारों और जिताउ उम्मीदवारों के नामों चर्चा कर सीईसी की बैठक में अंतिम मोहर लगेगी।

कुल 42 उम्मीदवारों का ऐलान

बसपा ने जारी की बीस प्रत्याशियों की तीसरी सूची

बेधड़क | जयपुर

बहुजन समाज पार्टी ने प्रदेश में होने वाले चुनाव के लिए शुक्रवार को पार्टी के 20 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस सूची में बसपा ने इसमें ज्यादातर मेवाड़ यानि उदयपुर संभाग की सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारा है। बसपा की 20 उम्मीदवारों की लिस्ट के बाद प्रदेश में अब तक कुल 42 प्रत्याशियों को चुनावी रण में उतर चुके हैं। पार्टी 22 उम्मीदवारों को पहले ही टिकट दे चुकी है।

वहीं अब बसपा ने 20 प्रत्याशियों के बाद कुल 42 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। बसपा ने विधानसभा स्पीकर और कांग्रेस के दिग्गज नेता सीपी जोशी के सामने नाथद्वारा से बाबूलाल साल्वी को टिकट दिया है। बहुजन समाज पार्टी ने मुंडावर से पृथ्वीराज, गोगुंदा से दलपत गरासिया, झाड़ोल से निंबाराम भील, सलूंबर से कन्हैया लाल मीणा, उदयपुर ग्रामीण से खेमराज कटारा, भीम से हुकमाराम, नाथद्वारा से बाबूलाल साल्वी, कुंभलगढ़ से नारायण लाल, प्रतापगढ़ से कमल मीणा, आसपुरा से दिलीप मीणा को टिकट दिया है।

राजेंद्र राठौड़ के सामने छोटू राम

मायावती की पार्टी ने कुशलगढ़ से हरेंद्र निमामा, चौरासी से विजयपाल रोत, घाटोल से बापूलाल गणावा, गढ़ी से सूर्यलाल खाट, मारवाड़ जंक्शन से गजराज कंवर, भादरा से रामनाथ शर्मा, लाडनूं से नियाज मोहम्मद, पोकरण से तुलसाराम, धोद से कालूराम मेहरड़ा और तारानगर से छोटूराम को चुनावी मैदान में उतारा है। तारानगर में बसपा के छोटूराम का मुकाबला नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ से होगा।

भाजपा पर चुनावों में अनदेखी का आरोप

लाहोटी का टिकट काटने पर वैश्य समाज ने किया प्रदर्शन

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने दो सूची जारी कर दी है, लेकिन कई सीटों पर टिकट कटने के कारण भारीविरोध प्रदर्शन हो रहा है। शुक्रवार को सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी का टिकट कटने के विरोध में वैश्य समाज ने बीजेपी मुख्यालय के बाहर मौन प्रदर्शन किया। समाज के पदाधिकारियों ने भाजपा पर चुनावों में अनदेखी का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष बीजेपी मुख्यालय पर तख्तियां-बैनर लेकर मौन खड़े रहे। तख्तियों पर सांगानेर से अशोक लाहोटी के टिकट पर पुनर्विचार किया जाए के स्लोगन लहरा रहे थे। प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता ओंकार सिंह लाखावत ने समाज के गोपाल गुप्ता, ध्रुवदास अग्रवाल, सत्यनारण काबरा सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ वार्ता की गई।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बोला जुबानी हमला

सीएम की गांरटी झूठी और मनगढ़ंत: चौधरी

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सात गारंटियों को झूठा और मनगढ़त करार दिया है। शुक्रवार को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि सीएम गहलोत नई गारंटियों की दुकान खोलने चले हैं, पुरानी गारंटियों को भूल गए।

संपूर्ण कर्जमाफी के नाम पर कांग्रेस ने प्रदेश के किसानों को ठगा और कर्ज में डूबे 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीनें नीलाम हो गई, जिसके चलते प्रदेश में सैंकड़ों किसानों ने आत्महत्या कर ली। पिछले चुनावों में कांग्रेस ने बेरोजगारों को 3500 रूपये रोजगार भत्ता देने की घोषणा की थी, लेकिन लूट और झूठ की इस सरकार ने पांच साल तक बेरोजगारों को गुमराह किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत को आज गाय की चिंता हुई है, और गोबर खरीद की गारंटी देने लगे हैं। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री चौधरी ने कहा कि ओपीएस के नाम पर वाहवाही लूटने वाले सीएम अशोक गहलोत को जनता को यह बताना चाहिए कि न्यू पेंशन स्कीम लाने वाले भी अशोक गहलोत और यूपीए सरकार ही है। 2010 में यूपीए सरकार ने ही न्यू पेंशन स्कीम को लागू किया था। राजस्थान बाजरा उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा राज्य है, लेकिन गहलोत सरकार यहां किसानों को एमएसपी नहीं दे रही। वहीं भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री को ये झूठी गारंटी देने से जनता के बीच अपने चुनाव घोषणा पत्र में किए गए वादों का हिसाब भी देना होगा। अभी वे सरकारी कॉलेजों के विद्यार्थियों को लैपटॉप देने की गारंटी दे रहे हैं लेकिन वे यह तो बता दें कि बजट में उन्होंने जिस—जिस वर्ग को लैपटॉप, टेबलेट देने की घोषणा की थी उसका क्या हुआ।

एनफोर्समेंट एजेंसियों ने बनाया नया रिकॉर्ड

विधानसभा चुनाव: सीजर की कार्रवाई में 300 करोड़ का आंकड़ा पार

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा आम चुनाव 2023 को लेकर निर्वाचन विभाग लगातार सख्ती अपना रहा है। निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में एनफोर्समेंट एजेंसियां अवैध सामग्री जब्त करने के मामले में हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही हैं। 9 अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने से अब तक एनफोर्समेंट एजेंसियों ने 300 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की अवैध शराब, नकदी व अन्य सामग्री जब्त कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। जबकि 2018 में दौरान यह आंकड़ा 70 करोड़ रुपए था।

जयपुर प्रदेश में सबसे आगे

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 54 करोड़ 81 लाख रुपए के सीजर के साथ जयपुर प्रदेश में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर 17.86 करोड़ की जब्ती के साथ उदयपुर है। अलवर 15.86 करोड़ के साथ तीसरे, भीलवाड़ा 14.43 करोड़ के साथ चौथे, बांसवाड़ा 14 करोड़ 36 लाख रुपए के साथ पांचवें, जोधपुर 13.53 करोड़ के साथ 6वें, चित्तौड़गढ़ 11.66 करोड़ के साथ 7वें बाड़मेर 11.44 करोड़ के साथ आठवें, श्रीगंगानगर 9.64 करोड़ के साथ 9वें और हनुमानगढ़ 9.44 करोड़ के साथ 10 वें स्थान पर है। इनमें से उदयपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, सिरोही, नागौर और जालौर ने पिछले 24 घंटे में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की जप्ती की है।

अवैध शराब जब्त करने में अलवर टॉप पर

अवैध शराब जब्ती के मामले में 4 करोड़ 97 लाख रुपए के साथ प्रदेशभर में अलवर पहले स्थान पर है। 10 करोड़ 94 लाख रुपए की ड्रग्स जब्ती के साथ भीलवाड़ा पहले स्थान पर है। अवैध नगदी की जब्ती के मामले में जयपुर 9 करोड़ 36 लाख रुपए के साथ पहले स्थान पर है। 11.65 करोड़ के सोना चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती कर बांसवाड़ा पहले स्थान पर है। जबकि 27.54 लाख की फ्रीबीज जब्त कर सवाईमाधोपुर पहले स्थान पर हैं।

एसजीएसटी सभी 16 जोन में कर रही कार्रवाई

राज्य विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा होने के बाद राज्य में अवैध रूप से माल व नकदी की आवाजाही पर नजर रखने को सक्रिय राज्य और केन्द्र सरकार की एजेंसियों के बावजूद लोग नकदी व माल को लाने-ले जाने से बाज नहीं आ रहे। राज्य के वाणिज्यिक कर विभाग ने अक्टूबर माह में प्रदेश के सभी 16 जोन में चलाए गए विशेष अभियान में 743 वाहनों की धरपकड़ की और इसमें लदे 66.02 करोड़ रुपए के माल की जांच कर 9.83 करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति की। वाणिज्यिक कर विभाग के मुख्य आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वाणिज्यिक कर विभाग के सभी 16 जोन में मतदाताओं को लुभाने वाली सामग्री पर नजर रखी जा रही है।

वाहनों की जांच

अक्टूबर माह में अब तक पूरे राज्य में संदिग्ध समझें गए 743 वाहनों की जांच की गई, जिनमें करीब 66.02 करोड़ का माल परिवहनित किया जा रहा था। इन सभी के ई-वे बिल की जांच की गई और गड़बड़ी उजागर होने के उपरांत विभाग 9.83 करोड़ रुपए की राजस्व वसूली की। जांच के दौरान विभागीय अधिकारियों को 674 किलो कीमती धातुएं भी मिली, जिस पर गड़बड़ी की दशा में जीएसटी की वसूली की गई।

जरूरी खबर

जवानों के साथ कमिश्नर ने किया फ्लैगमार्च

जयपुर। राजधानी जयपुर में विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण कराने के उद्देश्य को लेकर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने शुक्रवार को कमिश्नरेट के जयपुर पूर्व जिले में फ्लैग मार्च किया। यह फ्लैगमार्च उन्होंने आदर्श नगर सर्किल में पुलिस अधिकारियों व आइटीबीपी फोस के साथ किया। फ्लैगमार्च आदर्शनगर थाना इलाके अमृतपुरी इलाके से शुरू होकर ट्रांसपोर्ट थाना इलाके विभिन्न बस्तियों में किया गया। फ्लैगमार्च में एडिश्नल पुलिस कमिश्नर द्वितीय कुंवर राष्ट्रदीप, डीसीपी पूर्व ज्ञानचंद यादव, एडिशनल डीसीपी सुमन चौधरी, एसीपी आदर्श नगर रणवीर सिंह मीना और जवाहर नगर, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

53 बीघा भूमि पर बन रही 4 कॉलोनियों को तोड़ा

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 52 बीघा कृषि भूमि पर बन रही चार अवैध कॉलोनियों को शुक्रवार को ध्वस्त कर दिया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन सात में टैगोर नगर अजमेर रोड के भूखण्ड/दुकान में जेडीए ट्रिब्यूनल के द्वारा व्यावसायिक गतिविधी बन्द करने के आदेश के बाद भी अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने पर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जोन-12 में दहमीकलां वसुन्धरा कॉलोनी के भूखण्ड में तीन मंजिला अवैध बिल्डिंग की सीलिंग की कार्यवाही, सुओमोटो के तहत सिरसी में रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

नवरात्र के बाद से अचानक बढ़े भाव, मौसम की मार और कालाबाजारी बड़ा कारण

आज 70 रुपए किलो, 15 दिन बाद 200 के पार पहुंचेगा प्याज!

नरेन्द्र चतुर्वेदी | बेधड़क

जयपुर। पितृपक्ष और नवरात्रि के बाद अचानक दामों में तेजी से उछाल आने से प्याज चुनाव से पहले ही आमजन को रूलाने जा रहा है। पिछले 15 दिन पहले जहां प्याज 25 से 30 रूपए किलो खुदरा भाव में बिक रहा था, वहीं अब प्याज के दाम धीरे—धीरे आसमान छू रहे है। वर्तमान में प्याज का खुदरा भाव 70 रूपए प्रति किलो तक पहुंच गया है, वहीं थोक भाव में प्याज के दाम 60 रूपए किलो तक पहुंच गए है। शहर की सबसे बड़ी मण्डी मुहाना में प्याज के आढतियों की मानें तो ये आने वाले 15 से 20 दिनों में 200 रूपए के करीब पहुंच जाएगा। ऐसे में प्याज चुनावों से पहले ही आमजन को रूलाने का काम कर रहा है। गौरतलब है पिछले साल भी प्याज के दामों से पूरे देश में हाहाकार मचाया था।

आवक कम, आढ़तियों ने बदला धंधा

वहीं लगातार प्याज के दामों में बढोत्तरी पर बड़ी मंडियों के आढतियों ने भी प्याज के बजाए दूसरी सब्जियों का व्यापार करना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि अभी से ही प्याज की आवक कम हो रही है। ऐसे में जो बडे व्यापारी है, उन्होंने तो स्टॉक करना शुरू कर दिया है। लेकिन हमारा तो रोज का कांटे—बाट का काम हैं रोज ग्राहक ढूंढते है और रोज माल खरीदकर बेचते है। ऐसे में प्याज के दामों से मुनाफा कम होने लग गया है। कुछ आढतियों ने फल और सीजनेवल सब्जियों के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

बड़े व्यापारी कर रहे हैं स्टॉक

वहीं प्याज के विक्रेताओं ने बताया कि इस बार मानसून की बारिश की बेरूखी से प्याज की पैदावार कम हुई है। सबसे ज्यादा प्याज की पैदावार महाराष्ट में होती है, इसके बाद मध्यप्रदेश का नम्बर आता है। इस बार मानसून की बारिश के बेरूखी के कारण इसके पैदावार में कमी आने से भी प्याज के दामें में इजाफा हो रहा है।

तीन दिन में 25 रुपए तक बढ़े

पिछले कई सालों से आलू-प्याज का काम कर रहे राकेश ने बताया कि श्राद्ध पक्ष और नवरात्र आने से लोगों ने प्याज से परहेज रखा, इस कारण प्याज के दाम भी स्थिर रहे, लेकिन अब नवरात्र के जाते ही इसकी डिमाण्ड एकदम से बढ़ने लग गई है। इसलिए दामो में इजाफा और ज्यादा होगा। बीते दिन पहले जहां मंडी में प्याज का थोक भाव 25 से 30 रूपए किलो था, वो तीन दिन बाद 55 से 60 तक पहुंच गया है। अगर प्याज की डिमाण्ड के मुकाबले आवक कम रही तो दीवाली तक इसके भाव 200 रूपए तक पहुंच जाएगा।

आयकर विभाग की सर्वे कार्रवाई 14 वें दिन भी जारी

9 लॉकर और खोले 60 लाख रुपए जब्त

बेधड़क | जयपुर

गणपति प्लाजा के निजी वॉल्ट के लॉकर्स में छिपे धन को लेकर 14 दिन पूर्व शुक्रवार 14 अक्टूबर को शुरू हुई आयकर सर्वे की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रही। आज आयकर अधिकारियों ने 9 और लॉकर्स को खोला और इनमें से एक लॉकर से करीब 60 लाख रुपए की नकदी मिली।

इस नकदी को लेकर जब लॉकर धारक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया तो इसे जब्त कर लिया गया। इसके अलावा अन्य लॉकर्स में मिली वस्तुएं निजी उपयोग की होने के कारण अधिकारियों ने इन्हें जब्त नहीं किया और विवरण रिकॉर्ड में लेकर लॉकर धारकों को छोड़ दिया। विभागीय अधिकारी अब तक यहां से 5.98 करोड़ से अधिक नकदी व 4133 ग्राम सोना व आभूषण जब्त कर चुके हैं।

आयकर सर्वे की कार्रवाई यहां फिलहाल जारी है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संदिग्ध समझे जाने वाले लॉकर धारकों में अब भी कई ऐसे लॉकर धारक है, जो आयकर नोटिसों की अनदेखी कर रहे हैं, लेकिन इस अनदेखी के कारण विभाग का शक और गहरा रहा है। उधर, कुछ कथित संदिग्ध लॉकर धारकों के विभाग से लॉकर खोलने और इसकी जांच कराने की निर्धारित समय सीमा को और बढ़ाने के आग्रह पर अब सख्त रुख अपना रहे हैं।

विभाग अब समय विस्तार के बाद भी लॉकर नहीं खोले जाने की दशा में लॉकर्स को फ्रीज कर देगा और लॉकर धारक सर्वे कार्रवाई समाप्त होने के बाद भी बिना आयकर विभाग की अनुमति के इन लॉकर्स को खोल नहीं सकेंगे। उधर, विभागीय अधिकारियों ने कुछ और संदिग्ध लॉकर धारकों को चिन्हित कर उन्हें भी लॉकर खोलने व इन्हें जांच में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

लॉकर लगातार उगल रहे नकदी और सोना

सूत्रों का कहना है कि गणपति प्लाजा स्थित निजी लॉकर कम्पनी के लॉकर्स से लगातार निकल रही नकदी और सोने के कारण विभाग का शेष बचे अन्य लॉकर्स पर भी शक गहरा रहा है। संभव है विभाग सर्वे कार्रवाई के बाद अब तक नहीं खोले गए सभी लॉकर धारकों को जांच कराने के संबंध में नोटिस जारी करें। आयकर अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गणपति प्लाजा स्थित निजी लॉकर संचालक, रोयरा सेफ्टी वॉल्ट के लॉकर्स में जारी आयकर सर्वे के बावजूद यहां लॉकर मालिकों के लॉकर संचालन पर कोई रोक नहीं है, लेकिन फिर भी सीमित संख्या में ही लॉकर मालिक यहां लॉकर खोलने आ रहे हैं। आयकर सर्वे की कार्रवाई शुक्रवार देर रात तक जारी रही।

आचार संहिता की पालना में कारगर सी-विजिल एप

सबसे ज्यादा मालवीय नगर की 128 शिकायतों का निस्तारण

बेधड़क | जयपुर

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले लगातार जिला निर्वाचन कार्यालय को मिल रहे हैं। लेकिन उतनी ही तेजी से निवार्चन कार्यालय की ओर से कार्रवाई की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सी-विजिल एप जागरूक नागरिकों ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर 1 हजार 404 शिकायतें दर्ज करवाई है।

इनमें 852 शिकायतों का निस्तारण जिला नियंत्रण कक्ष स्तर पर जबकि 552 शिकायतों का निस्तारण रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी एआरओ स्तर पर किया गया है। जयपुर के मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 128 शिकायतों का निस्तारण किया गया है। गौरतलब है कि सी-विजिल एप के माध्यम से दर्ज होने वाली शिकायतों पर 100 मिनट में कार्यवाही कर आदर्श आचार संहिता का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित की जा रही है।

इसमें शिकायत को जिला नियंत्रण कक्ष द्वारा सत्यापन के बाद फील्ड यूनिट को शिकायत भेजी जाती है। जयपुर जिले में अब तक 1 हजार से ज्यादा शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। जिला कलेक्ट्रेट में स्थित नियंत्रण कक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के माध्यम से 100 मिनट में निस्तारण करवाया है।उसके बाद फील्ड यूनिट मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम देती है। और शिकायत के निस्तारण की रिपोर्ट जिला नियंत्रण कक्ष को भेजी जाती है और रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा वस्तुस्थिति की जानकारी दी जाती है।

जिला स्तरीय एमसीएमसी एवं मीडिया प्रकोष्ठ की बैठक

विज्ञापनों का करवाना होगा अधिप्रमाणन

बेधड़क | जयपुर

भारत निर्वाचन आयोग के आदेशों की अनुपालना में प्रत्येक प्रत्याशी को अपने प्रचार-प्रसार के विज्ञापनों का जिला स्तरीय एमसीएमसी प्रकोष्ठ से अधिप्रमाणन करवाना आवश्यक है। जिला स्तरीय एमसीएमसी प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) दिनेश शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रकोष्ठ के सह प्रभारी मान सिंह मीणा ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गठित एमसीएमसी कमेटी की विज्ञापन अधिप्रमाणन नियमों की जानकारी दी। बैठक में सह प्रभारी मान सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विज्ञापन अधिप्रमाणन की प्रक्रिया, प्रारूप एवं नियमों की विस्तृत जानकारी से रूबरू करवाया एवं अधिप्रमाणन ने संबंधित सवालों का भी निस्तारण किया।

SMS के डॉक्टरों ने पांच घंटे ऑपरेशन कर बचाई जिंदगी

मेडिकल स्टूडेंट के पेट में मिली दुनिया की सबसे बड़ी गांठ

बेधड़क | जयपुर

एसएमएस अस्पताल के डॉक्टरों ने एक मेडिकल स्टूडेंट के पेट से दुनिया की सबसे बड़ी गांठ निकालकर जीवन बचाया है। विदेश में पढ़ रहे मेडिकल स्टूडेंट ने एसएमएस आकर यह इलाज करवाया है।

ऑपरेशन के चार दिन मरीज को छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के कैंसर सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. सुरेश सिंह ने बताया कि झालावाड़ निवासी आकाश नाम का एक एमबीबीएस स्टूडेंट हमारे डिपार्टमेंट में इलाज के लिए आया था। जो कजाकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था। उसकी जांच के बाद सामने आया कि पेट में 30 सेमी लंबी व 20 सेमी चौड़ी गांठ है। मेडिकल के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी गांठ थी।

इस पर सीटीवीएस डिपार्टमेंट के साथ मिलकर ऑपरेशन प्लान किया और ऑपरेशन बड़ा रिस्क था, क्योंकि खून की नसें गांठें से मिली हुई थी और गांठ जांघ तक बढ़ गई थी। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. कमल, एनेस्थेशिया डॉ. सुशील भाटी व डॉ. योगेश आदि शामिल रहे।

एसीएस ने ली मौसमी बीमारियों की समीक्षा बैठक

एक्टिव एप्रोच के साथ काम करे स्टाफ

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा बैठक ली। एसीएस सिंह ने डेंगू, मलेरिया आदि मौसमी बीमारियों के रोगियों के उपचार के लिए सीएचसी एवं पीएचसी स्तर तक उपचार के माकूल इंतजाम करने के निर्देश दिए।

हालांकि बैठक में चिकित्सा विशेषज्ञों ने जांच, उपचार एवं रोकथाम की प्रभावी रणनीति के कारण इस वर्ष मौसमी बीमारियों का प्रसार विगत वर्षों की तुलना में कम रहने की जानकारी दी। विगत वर्ष अक्टूबर माह में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में डेंगू के पॉजिटिव मामलों की दर 15 प्रतिशत थी, जो इस वर्ष करीब 9 प्रतिशत रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मौसमी बीमारियों के प्रसार में कमी पर संतोष व्यक्त किया। आगे भी इसी तरह पूर्ण समन्वय और प्रो-एक्टिव एप्रोच से करने को कहा। बैठक में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में दवाओं एवं जांच किट सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदेश में मौसमी बीमारियों की स्थिति एवं रोकथाम गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा, एसएमएस मेडिकल कॉलेज की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. भारती मल्होत्रा, सेटेलाइट हॉस्पिटल बनीपार्क के डॉ. पीडी मीणा सहित जयपुरिया अस्पताल, कांवटिया अस्पताल एवं गणगौरी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ, नगर निगम हेरिटेज एवं ग्रेटर के स्वास्थ्य अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सिंधी कैंप रोडवेज स्टैंड का 2 नंबर प्लेटफॉर्म दे रहा अच्छी कमाई

'हारे का सहारा' बाबा खाटूश्याम... बन रहा है रोडवेज का तारनहार

बजरंग लाल बुनकर | बेधड़क

जयपुर। घाटे में चल रहे रोडवेज के लिए हारे का सहारा बाबा खाटूश्याम सहारा बनता नजर आ रहा है। वह ऐसे कि रोडवेज प्रशासन ने सिंधी कैंप बस स्टैंड पर 2 नंबर नया प्लेटफॉर्म शुरू किया था। चार महीने में इस प्लेटफॉर्म ने करीब 11 करोड़ से ज्यादा की कमाई रोडवेज को दी है। वहीं खाटूश्यामजी जाने वाले श्रद्धालुओं को भी अलग से प्लेटफॉर्म की सुविधा मिल रही है। इस नये प्लेटफॉर्म से रोजाना सात हजार से ज्यादा श्रद्धालु रोजाना खाटूश्यामजी जा रहे हैं। वहीं ग्यारस और बारस को यहां से दोगुने यात्रीभार के साथ अलग से बसें जा रही हैं। हर आधा घंटे में इस प्लेटफॉर्म से रोडवेज की बसें जा रही है। यात्रियों की संख्या को देखते हुए 24 घंटें प्लेटफॉर्म से बसों को चलाया जा रहा है। इधर, 100 किलोमीटर के छोटे से रूट से अच्छा राजस्व मिलने पर रोडवेज प्रशासन खुश है। भविष्य में प्लेटफॉर्म पर और यात्री सुविधाओं की बढ़ोतरी कर कमाई किए जाने की योजना बनाने की सोच रहा है।

हर दिन 46 बसें, वीकेंड में 80 बसें

सिंधी कैंप से दो पारियों में रोजाना 46 बसें खाटूश्यामजी जा रही है। जिनसे 69 हजार के लगभग रुपए का राजस्व रोड़वेज को मिल रहा है। वहीं शनिवार-रविवार और एकादशी और द्वादशी को 80 के करीब बसें जा रही है। जिनसे 1 लाख 31 हजार रुपए के लगभग राजस्व मिल रहा है। बस में पुरुष यात्रियों का खाटूश्यामजी जाने का किराया 100 रुपए और महिलाओं का 55 रुपए है।

किया था प्रयोग, हो रहा सदुपयोग

दरअसल सिंधी कैंप स्टैंड पर नये बस टर्मिनल बनने के दौरान रोड़वेज प्रशासन ने यात्री सुविधाओं को देखते हुए प्लेटफॉर्म व्यवस्था में फेरबदल करने आवश्यकता थी। चार नंबर प्लेटफॉर्म पर अक्सर भीड़ रहने की शिकायतें मिली। इस पर रोडवेज प्रबंधन ने चार प्लेटफॉर्म से खाटूश्यामजी की बसें जाने की व्यवस्था बंद कर 2 नंबर नया प्लेटफॉर्म शुरू किया। तब यह फैसला एक रोड़वेज का यह प्रयोग था कि प्लेटफॉर्म व्यवस्था बन जाए, वहीं चुनौती भी थी कि अच्छा राजस्व भी मिले। लेकिन बाद में यह फैसला सही साबित हुआ। स्टैं पर नई जगह का सदुपयोग हुआ।

प्लेटफॉर्म पर यह मिल रही सुविधा

प्लेटफॉर्म के पास में ही वेटिंग हॉल और बैठने का अच्छा स्पेस है। सुलभ कॉम्पलेक्स और आने-जाने का मार्ग भी नजदीक होने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म ढूंढ़ने में परेशानी नहीं होती। अनजान यात्री भी सहुलियत से प्लेटफॉर्म पर पहुंच सकते है।

चार महीने में यूं भरी रोडवेज की झोली

माह	कमाई लगभग (रुपए में)
जून -	3 करोड़ 14 लाख
जुलाई-	3 करोड़ 15 लाख
अगस्त-	2 करोड़ 66 लाख
सितंबर-	2 करोड़ 50 लाख

अच्छी सुविधा मिल रही

सिंधी कैंप बस स्टैंड का 2 नंबर प्लेटफॉर्म 4 महीने पहले ही शुरू किया था। अब यह अच्छा फैसला साबित हो रहा है। प्लेटफॉर्म से अच्छा राजस्व मिल रहा है। वहीं खाटूश्यामजी जाने वाले श्रद्धालुओं को भी अच्छी सुविधा मिल रही है।

राधिका, मुख्य प्रबंधक, सीबीएस आगार, सिंधी कैंप, जयपुर

जरूरी खबर

डिग्गी कल्याण धाम के लिए 45वीं पदयात्रा रवाना

टोंक। श्री डिग्गी कल्याण पदयात्रा संघ टोंक द्वारा 45वीं पदयात्रा टोंक से डिग्गी के लिए शुक्रवार को सुबह भूतेश्वर महादेव मन्दिर से रवाना हुई। पदयात्री शरद पूर्णिमा पर डिग्गी पहुंचकर कल्याणजी महाराज के शरद पूर्णिमा को ध्वज व ध्वल पौशाक चढ़ाएंगे। पदयात्रा संघ के रोहिताश्व कुमावत व एड. भजन लाल सैनी ने बताया कि शनिवार को प्रातः भूतेश्वर महादेव मन्दिर से चारभुजानाथ मंदिर मंहत हरि दास त्यागी महाराज, कंकाली माता मंदिर महंत दुर्गापुरी टोंक के सानिध्य में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ डिग्गी कल्याण धणी की झांकी के साथ पदयात्रा रवाना हुई।

धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सिरोही। सिरोही में पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशानुसार जिले में धोखाधड़ी संबंधी लंबे समय से पेंडिंग मामलों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रेवदर थानाधिकारी कपूराराम चौधरी की अगुवाई में 8 माह से धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपी सांचोर निवासी भारताराम पुत्र ओखाराम देवासी को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि आरोपी के खिलाफ 23 फरवरी 2023 को कोर्ट के आदेश पर एसके. फाइनेंस रेवदर का इस्तगासा दर्ज किया गया था। आरोपी ने कार को फाइनेंस करवाया था। इसके बकाया रुपए जमा नहीं करवाकर वह वाहन को लेकर फरार हो गया था।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

टोंक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 25 से 31 अक्टूबर तक जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन गांधी मैदान में किया गया। विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, कबड्डी, लम्बी कूद, ऊंची कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. रूबीना परवीन अंसारी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सीडीईओ टोंक पन्नालाल बैरवा, एडीओ चौथमल चौधरी उपस्थित रहे।

जसोलधाम में त्रयोदशी पर भरा मेला, लंबी दूरी तय कर जत्थों में पहुंचे पैदल यात्री

श्री राणीसा भटियाणीसा के दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

■ **मन्नत पूरी होने पर किया रात्रि जागरण**

बेधड़क | बालोतरा

श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान (जसोल धाम) में आसोज शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। श्री राणीसा भटियाणीसा के दर्शन के लिए दूर दराज से आए पैदल जातरुओं के जत्थे हाथों में ध्वज पताकाएं लिए ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते हुए जसोल धाम पहुंचे।

श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में शीश नवा, कुमकुम, चुंदड़ी, प्रसाद चढ़ाकर परिवार में खुशहाली की मंगल कामना की। अल सवेरे से ही मंदिर में दर्शनार्थियों के आवागमन का सिलसिला शुरू हो गया था, जो कि दिन चढ़ने के साथ-साथ बढ़ता ही गया। मंदिर संस्थान की और से श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा की माकूल व्यवस्था की गई।

त्रयोदशी को माजीसा के दर्शन के लिए बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, जालोर, पाली, जैसलमेर, बीकानेर सहित सम्पूर्ण राजस्थान, गुजरात तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से लंबी दूरी तय कर पैदल जत्थों के रूप में श्रद्धालु मंदिर (जसोलधाम) पहुंचे। डीजे साउंड पर माजीसा के भजनों पर झूमते नाचते श्रद्धालु माजीसा की भक्ति में रंगे नजर आए। इस अवसर पर भूपतसिंह, जोगसिंह, रामसिंह, हितेंद्रसिंह, भैरूसिंह, संजयपालसिंह, राकेश परिहार, रमेश सैन असाड़ा, मुल्तानमल माली जसोल, संस्थान प्रबंधक जेठुसिंह, सुरक्षा प्रभारी चतरसिंह, पर्यवेक्षक भोपालसिंह सहित श्री राणीसा भटियाणीसा के अनन्य भक्तगण मौजूद रहे।

नव-विवाहित जोड़ों ने लगाई धोक

त्रयोदशी के मेले में श्रद्धालुओं के जयकारों से मंदिर परिसर पूरे दिन गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित श्री सवाईसिंहजी, श्री लालबन्नासा, श्रीबायोसा, श्री भेरूजी व श्री खेतलाजी मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। आसोज शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के अवसर पर कई नव-विवाहित जोड़ों ने छेड़ा बंदी बांधकर सुखी दांपत्य जीवन की कामना को लेकर मां के दरबार में जात लगाई।

चंद्रग्रहण पर नहीं होंगे दर्शन

श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान समिति सदस्य हरिश्चंद्रसिंह जसोल ने बताया कि चंद्रग्रहण के कारण 28 अक्टूबर शाम 4 बजे से 29 अक्टूबर सवेरे 4 बजे तक मंदिर के कपाट मंगल रखने का निर्णय लिया है। इस सूतक व ग्रहण काल में जसोलधाम में पूजा-पाठ व भक्तों को दर्शन लाभ नहीं मिलेगा।

चुनावी सख्ती: कोटा रेलवे स्टेशन पर RPF की बड़ी कार्रवाई

तेजस एक्सप्रेस से 6.62 करोड़ रुपए का सोना व नकदी बरामद

26 लाख कैश के साथ तीन संदिग्धों को किया डिटेन

बेधड़क | कोटा

रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) की सीआईडी इंटेलिजेंस और क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोटा रेलवे स्टेशन पर तेजस एक्सप्रेस ट्रेन से 6.62 करोड़ रुपए का सोना और 26 लाख रुपए की नकदी जब्त की है।

टीम ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को भी हिरासत में लिया है। पूरा मामला गुरुवार देर रात का है। इस मामले में हिरासत में लिए गए दो व्यक्ति महाराष्ट्र के मुंबई के एक राजस्थान का निवासी है। वहीं, कोटा मंडल के सहायक मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय सिंह ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर हमें इलेक्शन कमीशन से निगरानी बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। ऐसे में लगातार चेकिंग की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, कोटा जंक्शन पर आरपीएफ ने तेजस एक्सप्रेस ट्रेन से 6.62 करोड़ का सोना और 26 लाख रुपए की नकदी के साथ तीन संदिग्धों को डिटेन किया गया, जिन्हें आयकर विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। मंडल सुरक्षा आयुक्त नवीन कुमार ने बताया कि उन्हें मुखबिर और आरपीएफ इंटेलिजेंस के इनपुट से सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में सोना ट्रेन नंबर 12954 निजामुद्दीन-मुंबई तेजस राजधानी एक्सप्रेस के जरिए ले जाया जाएगा।

ऐसे में दिल्ली से ही आरपीएफ की विशेष टीम इस ट्रेन में सवार हो गई थी। पूरे ट्रेन में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेन में कुछ यात्री संदिग्ध पाए गए। जैसे ही ट्रेन गुरुवार रात 10:30 बजे कोटा जंक्शन पर रुकी, यहां से सीआईडी इंटेलिजेंस और क्राइम ब्रांच की टीम ने संदिग्ध यात्रियों की जांच शुरू की। तलाशी में 10 किलो 700 ग्राम सोना और 500-500 के नोटों से भरी हुई गड्डियां बैग में मिली। गिनती होने पर यह 26 लाख रुपए नकदी पाए गए। सोने की कुल कीमत 6 करोड़ 61 लाख 59 हजार रुपए है।

लगातार हो रही चेकिंग

कोटा मंडल के सहायक मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय सिंह ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर हमें इलेक्शन कमीशन से निगरानी बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। ऐसे में लगातार चेकिंग की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, कोटा जंक्शन पर आरपीएफ ने तेजस एक्सप्रेस ट्रेन से करीब 6.62 करोड़ का सोना और करीब 26 लाख रुपए की नकदी के साथ तीन संदिग्धों को डिटेन किया गया, जिन्हें आयकर विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। साथ ही आरपीएफ टीम ने जब्त राशि की जांच के लिए जीएसटी टीम को भी बुलाया है। संजय सिंह का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि यह पूरा माल व्यापारियों का है, जिसे दिल्ली से मुंबई ले जाया जा रहा था और बीच में कहीं ये माल नहीं उतरना था। उन्होंने बताया कि माल को दो लोग लेकर जा रहे थे। वहीं, तीसरा व्यक्ति उनकी मदद के लिए आया था। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इसे किसे डिलीवर करना था और किन व्यापारियों से रिसीव किया गया था।

जेवरात और सोने के बिस्कुट मिले

सोना अधिकांश जेवरात के रूप में था। इसके अलावा चेन और बिस्कुट भी इन आरोपियों के पास से मिले हैं। आरपीएफ की टीम ने इस दौरान तीनों यात्रियों महाराष्ट्र के मुंबई निवासी दिलीप भाई पुत्र देवसी, जितेंद्र भंवर और राजस्थान निवासी प्रीतेश को हिरासत में ले लिया। पूरी रात इन आरोपियों से आरपीएफ की विशेष टीमों ने पूछताछ की है। इस दौरान आला अधिकारी भी पहुंचे। यह आरोपी नकदी और सोने के बारे में संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए हैं। ऐसे में तीनों को आयकर विभाग की टीम को सुपुर्द किया है।

अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क

टाइगर के हमले में केयरटेकर की मौत

बेधड़क | कोटा

राजस्थान वन्य जीव विभाग के अधीन आने वाले अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में एक टाइगर के हमले में केयरटेकर की मौत हो गई। घटना करीब 4:45 बजे की है। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पिछले कुछ दिनों से टाइगर की तबीयत ठीक नहीं थी। इसकी देखभाल के लिए ही केयरटेकर एंक्लोजर में गया था।

अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के रेंजर दुर्गेश कहार ने बताया कि बायोलॉजिकल पार्क में ही जंगली जानवरों के लिए एंक्लोजर बने हुए हैं। इसमें एक एंक्लोजर में बाघ नाहर और बाघिन महक मौजूद हैं। जब केयरटेकर रामदयाल नागर टाइगर नाहर के बीमार होने पर स्प्रे कर रहे थे। इसी दौरान बाघ ने केयरटेकर पर अचानक से हमला कर दिया। आनन-फानन में गंभीर घायल अवस्था में उन्हें एमबीएस अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। टाइगर के हमले में केयरटेकर की गर्दन के नीचे काफी गंभीर चोटें आईं। टाइगर के नाखून केयरटेकर के शरीर में काफी अंदर तक धंस गए थे।

रामदयाल के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। इस मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई है। पुलिस रामदयाल का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपेगी।

जयपुर स्थित नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क से 1 मार्च, 2023 को ही अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क बाघ-बाघिन का जोड़ा लाया गया था। जिसमें बाघिन का नाम महक और बाघ नाहर है। इन दोनों के पार्क में आने के बाद से पर्यटकों की संख्या में भी काफी इजाफा हो गया। बीते कुछ दिनों से बाघ नाहर की तबीयत ठीक नहीं थी।

सीआईडी की चित्तौड़गढ़ में कार्रवाई

रिहायशी मकान से 65 किलो 200 ग्राम अफीम, डोडा-चूरा बरामद

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की सूचना पर चित्तौड़गढ़ जिले की भादसोड़ा थाना पुलिस ने मौखमपुरा गांव में एक रिहायशी मकान पर दबिश देकर उच्च क्वालिटी का कुल 65 किलो 200 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा के साथ अंग्रेजी-देसी शराब के 158 पव्वे व 25 बीयर की बोतल की जब्त की है। पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि स्टेट क्राइम ब्रांच के एएसआई बनवारी लाल की आ सूचना पर आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश के नेतृत्व में टीम गठित कर चित्तौड़गढ़ रवाना की गई थी। टीम ने गुप्त निगरानी कर आ सूचना की पुष्टि की। पुष्टि के बाद एसएचओ भादसोड़ा को सूचना देकर थाना क्षेत्र के मौखमपुरा गांव में रतन लाल पुत्र मोहनलाल बंजारा के रिहायशी मकान पर दबिश दिलाई। मकान की तलाशी में कुल 65 किलो 200 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा के साथ अंग्रेजी-देसी शराब व बीयर की बोतलें मिलीं।

कांग्रेस उम्मीदवार के आवास पर जुटी समर्थकों की भीड़

भाईचारे की राजनीति में जताया भरोसा

बेधड़क | धौलपुर

कांग्रेस की तीसरी लिस्ट में विधायक शोभा रानी कुशवाहा को प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद समर्थन एवं कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को शोभा रानी कुशवाहा के आवास पर समर्थन एवं कार्यकर्ताओं ने निज निवास पर पहुंचकर टिकट मिलने पर बधाई दी है।

शोभा रानी कुशवाहा ने बिना नाम लिए बीजेपी पर हमला बोला है। नफरत को छोड़कर भाईचारे की राजनीति में उन्होंने भरोसा जताया है। गुरुवार रात कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने 19 प्रत्याशियों की तीसरी लिस्ट जारी कर दी। तीसरी सूची में धौलपुर विधानसभा क्षेत्र से शोभा रानी कुशवाहा को प्रत्याशी घोषित किया है। एक दिन पूर्व ही शोभारानी कुशवाहा ने झुंझुनू में हुई प्रियंका गांधी की सभा में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली थी।

शोभा रानी कुशवाहा को टिकट मिलने के बाद उनके समर्थक एवं कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। विधायक के आवास पर भारी तादाद में समर्थन एवं कार्यकर्ता जमा हो गए। टिकट मिलने पर विधायक शोभा रानी कुशवाहा का समर्थकों द्वारा फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक शोभा रानी कुशवाहा ने कांग्रेस के केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय नेतृत्व को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा नफरत को छोड़कर भाईचारे एवं विकास में विश्वास किया है।

शोभा रानी कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गरीब जनता के हितैषी हैं। समाज के सभी वर्ग के लोग मुख्यमंत्री की योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। धौलपुर के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने करोड़ों का बजट दिया था। ऐसे में जनता कांग्रेस के साथ रहने का मन बना चुकी है।

अजमेर में जन स्वाभिमान मंच की रैली कल

जातिवाद की राजनीति के खात्मे के लिए होगा महाकुंभ

■ **दलित, शोषित, ओबीसी व अनारक्षित वर्ग के हजारों लोग कार्यक्रम में होंगे शामिल**

बेधड़क | जयपुर/अजमेर

प्रदेश में चंद दिनों बाद विधानसभा चुनाव हैं। ऐसे में विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक पार्टियों के साथ ही साधु, संतों ने भी राजनीति में अपनी सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। राजनीति में सुधार लाने, जातिवाद की राजनीति के खात्मे के लिए जन स्वाभिमान मंच एक पहल करने जा रहा है। इसकी शुरुआत रविवार को अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली से होने जा रही है। जिसमें लाखों की संख्या में लोगों के एकत्रित होने का दावा किया जा रहा है। जन स्वाभिमान मंच के संयोजक राजऋषि समताराम महाराज ने बताया कि राजस्थान में राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गुंडा तत्वों व माफियाओं का संरक्षण हो रहा है। प्रदेश इन दिनों राजनीति के साथ-साथ कार्यपालिका में जातिवाद का बोलबाला हो गया है। जन स्वाभिमान मंच के बैनर तले 29 अक्टूबर को अजमेर में एक बड़ी रैली होगी, जिसमें गरीब तबके के लोगों को न्याय, सेवा और सुरक्षा प्रदान करने के लिए संत समाज की ओर से आवाज उठाई जाएगी और उनके अधिकारों और हक की लड़ाई की शुरुआत की जाएगी।

लोकतांत्रिक सिस्टम को किया हाईजैक

समताराम महाराज ने कहा- कि पूरे लोकतांत्रिक सिस्टम को ऐसे लोगों ने हाईजैक कर लिया है। संविधान भले ही धर्म निरपेक्षता की बात करता हो, लेकिन मौजूदा सिस्टम में बैठे लोग संविधान के विपरीत जाकर योग्यताओं को दरकिनार कर जाति धर्म के नाम पर अपने लोगों को बढ़ावा देते हुए और अन्य को कुचलकर सिस्टम को ही हाईजैक कर रहे हैं। समताराम महाराज ने कहा कि जातीय गुंडा तत्वों के प्रभाव से राजनीतिक दल भी जाति-धर्म के आधार पर टिकट का वितरण कर रहे हैं और सत्ता में बैठे राजनीतिक दल भी शासन प्रणाली को संतुलित न रखकर धर्म-जाति के आधार पर शासन का संचालन कर रहे हैं।

मंच का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं

जन स्वाभिमान मंच का मूल काम भय, भ्रष्टाचार और जातिवादी नेताओं से मुक्ति दिलाना है। मंच का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं है। हम केवल ऐसे माहौल का निर्माण करना चाहते हैं, जिसमें सभी जाति धर्म के लोगों को समान अवसर और समान अधिकार के साथ भयमुक्त वातावरण मिल सके। जातिवादी गुंडा तत्वों का राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों पर बढ़ रहे प्रभाव को खत्म करने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे।

बालोतरा में जमा सांसद गरबा महोत्सव का रंग

बेधड़क | बालोतरा

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की ओर से बालोतरा में बाड़मेर, जैसलमेर लोकसभा स्तरीय सांसद गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें समूचा वातावरण मां दुर्गा की भक्ति से सरोबार हो गया। इस प्रतियोगिता में संसदीय क्षेत्र बाड़मेर जैसलमेर के विभिन्न स्थानों से 125 गरबा टीमों ने भाग लिया। बालोतरा जिले के महात्मा ज्योतिबा फुले स्टेडियम मैदान में सांसद गरबा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्रथम स्थान पाने वाली गरबा टीम को 1 लाख रुपए, द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 51 हजार रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 31 हजार रुपए की पुरस्कार राशि वितरित की गई।

चुनावी पोळ

जांकी उजळी बगतरी,
करियो न खोटो काम।
काजळ आळी कोठरी,
करसी कैयां बदनाम।।

■ गजानन

सीधे फील्ड से | रालोपा-आजाद पार्टी के गठबंधन से जोधपुर-पाली में गरमाया सियासी माहौल

दोनों पार्टियों की गणित बिगाड़ सकती है बेनीवाल और आजाद की जुगलबंदी

यमुना शंकर सोनी | बेधड़क

जोधपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) और आजाद समाज पार्टी के बीच हुए चुनावी गठबंधन ने जोधपुर-पाली संभाग के अब तक ठण्डे पड़े सियासी माहौल में गर्माहट ला दी है। दोनों ही पार्टियों ने पिछले महीने जोधपुर, पाली, जालोर, बालोतरा जिलों में अपनी यात्राएं निकाली थी।

रालोपा को खासकर जाट समाज के युवाओं का खासा समर्थन नजर आया था। वहीं आजाद समाज पार्टी को दलित बहुल इलाकों में जुटी भीड़ से आशा की किरण नजर आई थी। अब ये दोनों पार्टियां किस व्यूह रचना के साथ चुनाव लड़ेंगी यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन राजनीति के जानकारों का मानना है कि इनका गठबंधन कई सीटों के परिणाम प्रभावित करने वाला साबित हो सकता है। अगर ये गठबंधन कामयाब होता है तो दोनों बड़ी पार्टियों के लिए मुश्किल हो सकती है।

रालोपा के हनुमान बेनीवाल और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर ने गुरुवार को जयपुर में गठबंधन की घोषणा के बाद कहा था कि प्रदेश में भाजपा-कांग्रेस को रोकने के लिए मजबूत विकल्प की आवश्यकता थी। दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी। सीटों को लेकर कोई दिक्कत नहीं है, राजस्थान में दो सौ सीटें हैं।

जाट, विश्नोई और मुस्लिमों को साधने पर फोकस

सत्ता संकल्प यात्रा के दौरान बेनीवाल का फोकस जाट, मुस्लिम, विश्नोई और दलित मतदाताओं को एकजुट करने पर रहा था। वीर तेजाजी के जयकारे के साथ खड़े होने वाले जाट मतदाताओं के साथ ही उन्होंने भगवान जंभेश्वर का जयकारा बोलने वाले विश्नोई समाज को यह कहते हुए भाई बताया था कि हमारा डीएनए एक है, अब रामसा पीर की जय बोलने वाले भी रालोपा का झण्डा थाम लें तो कांग्रेस-भाजपा भागती हुई नजर आएंगी।

आजाद समाज साध रही दलित मतदाता

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने पिछले माह देश बचाओ संकल्प यात्रा के जरिए मारवाड़ में दस्तक दी थी। उनकी पहली सभा जोधपुर जिले के भोपालगढ़ कस्बे में हुई थी। इसके बाद वे पाली और जालोर जिले में भी गए थे। इन सभी जिलों में उनकी सभाओं को दलित मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन मिला था। उनका कहना था कि जब तक समाज के दलित और पिछड़े वर्ग के लोग अपनी और अपने वोट की ताकत नहीं पहचानेंगे, तब तक उन्हें न समाज में अपना स्थान और न सत्ता में भागीदारी मिल सकती है। आबादी के हिसाब से यहां दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों का शासन होना चाहिए, लेकिन आजादी के बाद से आज तक ऐसा नहीं हुआ।

ठुकराए हुए नेताओं को मिल सकता है आसरा

भाजपा-कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी कतार है। जिस तरह से एक-एक सीट पर उम्मीदवारों के चयन को लेकर कशमकश चल रही है उससे तय है कि दोनों दलों के बड़ी संख्या में दावेदारों को हताश होना पड़ेगा। इनमें से कई लोगों को रालोपा-आजाद पार्टी से टिकट मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जानकारों के अनुसार बेनीवाल की कई ऐसे नेताओं से भी अंदरखाने बातचीत चल रही है जो भाजपा या कांग्रेस से टिकट की कतार में हैं और अपने इलाके में अच्छा जनाधार रखते हैं। सभी सीटों के भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशी घोषित होने के बाद ये देखने वाली बात होगी कि कौन नेता कौनसी पार्टी से मैदान में उतरता है।

सामान्य सीटें, जिन पर रहेगी नजर

पिछली बार पार्टी रालोपा ने जोधपुर जिले में केवल भोपालगढ़ (सुरक्षित) और बिलाड़ा (सुरक्षित) सीट से ही उम्मीदवार खड़े किए थे। भोपालगढ़ से रालोपा के पुखराज गर्ग जीते थे। जबकि बाड़मेर में बायतू सीट पर कांग्रेस की टक्कर ही रालोपा के उम्मीवार से हुई थी। इस बार जोधपुर-पाली संभाग में बेनीवाल का फोकस जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, जालौर जिलों पर है। जोधपुर जिले में भोपालगढ़ और बिलाड़ा, पाली जिले में सोजत, बाड़मेर जिले में चौहटन और सिरोही जिले में पिण्डवाड़ा और रेवदर सुरक्षित सीटें हैं। इन छह सीटों को छोड़ कर दोनों संभाग की शेष 27 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं। संभाग की अधिकांश सीटों पर जाट, विश्नोई, राजपूत और मेघवाल व कुछ सीटों पर अल्पसंख्यक मतदाता चुनावी नतीजों में निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। लूणी और लोहावट में जाट और विश्नोई, शेरगढ़ में जाट और राजपूत मतदाताओं का ध्रुवीकरण किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में हो जाए तो जीत की संभावना बढ़ जाती है।

बिहाइंड द कर्टेन

मैदान में उतरने से पहले डाले हथियार!

विद्याधरनगर से एक प्रमुख दावेदार को लेकर चर्चा है कि उन्होंने राजकुमारी के सामने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। लेकिन जैसे ही उन्होंने पार्टी के प्रमुख से मुलाकात की तो उन्होंने भी दबी जुबान में ये स्वीकार किया कि उनकी मुश्किलें बढ़ी हैं। साथ ही पार्टी प्रमुख ने उनकी हौसला अफजाई की और कहा कि आपने गत पांच साल में क्षेत्र में मेहनत की है। ऐसे में आपकी मेहनत पर जनता का विश्वास है, इसलिए आप ही चुनाव लड़े। हालांकि अभी तक तीन सूचियां जारी हो चुकी हैं लेकिन तीनों में ही प्रमुख दावेदार का नाम नहीं आया है। अभी तक वे लगातार क्षेत्र में एक्टिव हैं, लेकिन आम लोगों में चर्चा चल पड़ी है कि भाईसाब ने इस बार मैदान में उतरने से पहले ही हथियार डाल दिए हैं। वहीं उनके समर्थक ये समझाते हैं कि हमने आपकी सेवा की, हम ही आपकी सेवा करेंगे। लेकिन अभी भी क्षेत्र में असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं लड़ेंगे क्योंकि अभी तक पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया है। ऐसा सुनने के बाद उनसे जुड़े कई समर्थक दूरी भी बना रहे हैं और दूसरी तरफ अपनी नई जमीन तलाश रहे हैं। अपने समर्थकों की दूरी को देखते हुए और उन्हें विश्वास दिलाने के लिए कि वो चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर एक बंद कमरे में करीब सौ समर्थकों के साथ उन्होंने बैठक की और उन्हें कहा कि वे उनके साथ ही लगें, गत सालों में उनकी क्या कमी रही वह बताएं। ये कमी दूर की जाएंगी। कुछ लोगों ने उनके अघोषित पीए और वर्तमान पार्षद की कार्यशैली को लेकर प्रमुख दावेदार को शिकायत कर दी। इस पर दावेदार ने कहा कि उन्हें अब शिकायत का मौका नहीं मिलेगा, उनसे जो भी गलती हुई उसे माफ कर तन-मन से जुट जाएं।

■ **यायावर**

ई वॉर

Govind Singh Dotasra @GovindDotasra · Follow

ED की कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि किसान का बेटा RSS-BJP के खिलाफ मुखर होकर बोलता है।

चुनाव आते ही कांग्रेस पार्टी को बदनाम करके सत्ता हासिल करने का षड्यंत्र रचा गया।

BJP Rajasthan @BJP4Rajasthan · 3h

न नौकरी, न रोजगार और न ही भत्ता
फिर भी इन्हें चाहिए सिर्फ सत्ता।

थड़ी पॉलीटिक्स

इस चुनाव में दिए जो वचन

मेरे नेताजी भूल ना जाना...

स्थान प्रतापनगर | **समय** शाम 6:00 बजे

जयपुर

चुनावी मौसम परवान पर है। इस मौसम में पार्टियों के दफ्तरों, चुनावी सभाओं और न्यूज चैनलों पर चलने वाली बहस के बाहर भी सरकारें बनती-बिगड़ती हैं। एक दिन होने वाले चुनाव से महीनों पहले जाजम बिछ जाती है। अभी हमारे राजस्थान का हर नागरिक अपने आपमें एक चुनाव विश्लेषक है। हर मतदाता अपनी सरकार के किए-धरे का हिसाब लेने का हक रखता है। जनता वोट मांगने आए नेताजी से जो हिसाब-किताब मांगती है, लोग आपस में चुनावों को लेकर जो चर्चाएं करते हैं या कहीं भी मिलने वाले यार-दोस्तों की महफिल में आने वाली सरकार के स्वरूप को लेकर जो कयास व अंदाजे लगाए जाते हैं, इन्हीं में आने वाली 'फिल्म' का 'ट्रेलर' छुपा है। जनता की नब्ज को पढ़ने हम निकले तो प्रतापनगर में सड़क किनारे कुछ युवा कोल्ड ड्रिंक की चुस्कियां ले रहे थे थे। हर चुस्की के साथ ठंडे हो रहे मौसम को चुनौती दे रहे दोस्तों की चर्चा पर कान लगाए तो सुनाई पड़ा-"भाई फिर से नए तोहफे मिल गए आज, सुना है अबकी बार सात वचन दिए हैं। अब तो तेरे मजे ही मजे हैं यार। पर उनको ठोक-बजाकर पहले ही बोल दे कि- इस चुनाव के दिए जो वचन, मेरे नेताजी भूल ना जाना...।" एक युवा की दूसरे पर की गई इस टिप्पणी के साथ ही यहां ठहाके गूंज उठे। 'तोहफे' के नाम पर निशाना लगाते इस युवा को सामने से जवाब मिला-"हां भाई, मेरे वाले तेरे वाले जैसे नहीं हैं। दिल खोल कर तोहफे दे रहे हैं। तुम लोगों को तो अपने वालों से सिर्फ झुनझुना मिलता है जिसे बजाते रहते हो।" जवाब सुन पहले से भी ऊंचे ठहाके लगने लगे। बीच में कहीं से आवाज आई- "भाई तोहफा हो या झुनझुना जब हाथ में आ जाए तब उसको हकीकत मानना। अभी तो चुनावी माहौल है तो जो मांगोगे सब मिलेगा। अब ये पता नहीं जो मिला है वो हाथ में कब आएगा। " अलग-अलग झंडों के नीचे खड़े होकर हंसी-हंसी में एक दूसरे को घेर रहे दोस्तों की नोक झोंक को सुलझाने के लिए तीसरे दोस्त ने ये नया शगूफा छोड़ा तो चौथे दोस्त ने कोल्ड ड्रिंक का घूंट लेते हुए कहा -"अरे यार, तोहफों और झुनझुने का ये कंसेप्ट बड़ा जोरदार है। अब किसी से कुछ भी मिले ना मिले पर अपने काम टाइम पर होने चाहिएं। सरकार का जो काम है, उसे वो टाइम पर करती रहे तो किसी को ना तो तोहफा चाहिए ना झुनझुना। पर वोट देते टाइम ना तो तोहफे पर नजर डालना ना झुनझुने पर, बस जो काबिल हो उसी को वोट करना।" और फिर से ठहाकों के एक दौर के साथ सब अपने अपने रास्ते चल दिए।

पॉली क्लिक्स

शुक्रवार को एक सभा में मालवीयनगर से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सर्राफ के साथ आदर्श नगर के प्रमुख दावेदार अशोक परनामी भी मौजूद थे पर उनकी नजरें फोन स्क्रीन पर थीं। सभा में सर्राफ के साथ भाजपा नेता सुमन शर्मा व अन्य ने ही मोर्चा संभाला।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

'कमल' नहीं 'चक्र में हलधर' चुनाव चिह्न के साथ सत्ता में आई थी जनता पार्टी

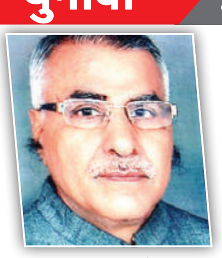

■ **गुलाब बत्रा,** वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

चुनाव चिह्नों की इस लम्बी कहानी में इंदिरा गांधी के शासन में भारत में प्रथम बार लागू आपातकाल एवं विपक्षी दलों के नेताओं को जेलों में बंद करने के कर्म से बाबू जयप्रकाश नारायण की पहल से गठित जनता पार्टी की भूमिका का विशेष स्थान है। विडम्बना यह रही कि विधिवत रूप से जनता पार्टी की स्थापना से पहले ही 1977 के लोकसभा चुनाव में इसे सरकार बनाने का मौका मिल गया। ऐतिहासिक राजनैतिक घटनाक्रम में तब चार प्रमुख विपक्षी दलों संगठन कांग्रेस, भारतीय लोकदल, जनसंघ एवं सोशलिस्ट पार्टी के विलय से जनता पार्टी अस्तित्व में आई लेकिन इस नए दल को भारतीय निर्वाचन आयोग ने मान्यता प्रदान नहीं की। मजबूरी में नवगठित जनता पार्टी के प्रत्याशियों को घटक दल भारतीय लोकदल के चुनाव चिह्न 'चक्र में हलधर' पर चुनाव लड़ना पड़ा।

मोरारजी देसाई के नेतृत्व में सरकार बनने के पश्चात जनता पार्टी को आयोग से मान्यता तो मिल गई तथा इसे भारतीय लोकदल का चुनाव चिह्न 'चक्र में हलधर' ही आवंटित किया गया। सरकार और पार्टी की कलह शीघ्र ही सतह पर आ गई तथा 1979 में नवगठित जनता पार्टी भी 1979 में विभाजन की शिकार हो गई। एक जमाने में कांग्रेस में युवा तुर्क नेता के रूप में ख्यात चन्द्रशेखर एक गुट के नेता और दूसरे गुट के नेता चौधरी चरण सिंह बने। निर्वाचन आयोग ने चन्द्रशेखर के गुट को मूल जनता पार्टी मानते हुए 'चक्र में हलधर' चुनाव चिह्न सौंपा। चौधरी चरणसिंह के गुट को जनता पार्टी (स.) सेक्यूलर के रूप में आयोग ने राष्ट्रीय दल की मान्यता देते हुए 'खेत जोतता हुआ किसान' चुनाव चिह्न प्रदान किया।

दलों का विभाजन थमा नहीं। वर्ष 1980 के चुनाव में इंदिरा गांधी की कांग्रेस पुनः सत्तारूढ़ हुई तो चन्द्रशेखर के नेतृत्व में मूल जनता पार्टी भी दो फाड़ हो गई। समाजवादी नेता राजनारायण द्वारा जनसंघ दल और आरएसएस के अन्तर्सम्बंधों को लेकर दोहरी सदस्यता का मुद्दा उठाया गया। इसपर जनसंघ के नेताओं ने अटलबिहारी वाजपेई की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठित कर 'कमल का फूल' चुनाव चिह्न अंगीकार किया। जिस चिह्न 'चक्र में हलधर' का सराहा लेकर जनता पार्टी सत्ता में आई थी वह इतिहास हो गया तथा जनता पार्टी के दूसरे गुट चन्द्रशेखर को 'छाता' चुनाव चिह्न नसीब हुआ।

गुटबाजी में फिसल गया था 'खेत जोतता किसान'

जनता पार्टी (स) सेक्यूलर भी विभाजित हुई। चौधरी चरणसिंह गुट तथा राजनारायण गुट के आमने-सामने होने से 'खेत जोतता किसान' चुनाव चिह्न भी दोनों के हाथ से फिसल गया। इस कालक्रम में जनता पार्टी का झुनझुना किसी न किसी रूप में बजता ही रहा। वर्ष 1984 के चुनाव में जनता पार्टी के मूल घटक अलग-अलग चुनाव लड़ चुके थे और 1989 के चुनाव में जनता पार्टी अस्तित्व विहीन हो चुकी थी। अलबता जनसंघ नेता डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी की अगुवाई में जनता पार्टी (जेपी याने जयप्रकाश नारायण) का नामकरण चलता रहा जिसका चुनाव चिन्ह 'चक्र में गड्ढा खोदता आदमी' रहा। डॉ. स्वामी ने लंबे अंतराल के पश्चात अपने गुट की मूल जनता पार्टी का भाजपा में विलय किया।

'हंसिया-बाली' से निकला 'हंसिया-हथौड़ा'

बोफोर्स प्रकरण में कांग्रेस नेता वीपी सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के खिलाफ मोर्चा खोला। गैर साम्यवादी दलों के वीपी सिंह की अगुवाई में गठित जनता दल को 'चक्र' चुनाव चिह्न मिला। सिंह 1989 के चुनाव में प्रधानमंत्री बने। जनता दल का भी नवम्बर 1990 में विभाजन हुआ। चन्द्रशेखर एवं चौधरी देवीलाल गुट का नामकरण जनता दल (स) से हुआ। बोम्मई गुट विरोध में था इसलिए 'चक्र' चुनाव चिह्न भी चकरा गया। आपातकाल की घोषणा से पहले 1974 में भारतीय लोकदल का उदय हुआ। इस कॉकटेल में सात फ्लेवर थे। इसमें भारतीय क्रांतिदल, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, स्वतंत्र पार्टी, किसान मजदूर पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक दल, उत्कल कांग्रेस तथा पंजाब खेती बार, जमींदार सभा का तड़का था। इसी नवगठित दल के चुनाव चिन्ह 'चक्र में हलधर' की छह साल में अकाल मृत्यु हो गई। वर्ष 1962 में भारत पर चीन के आक्रमण की प्रतिक्रिया में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भी 1964 में विभाजित हो गई। भाकपा को मूल पार्टी मानते हुए निर्वाचन आयोग ने उसके चुनाव चिह्न 'हंसिया-बाली' को बरकरार रखा तथा अलग हुए साम्यवादी दल को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नाम देकर 'हंसिया-हथौड़ा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया। आगे के चुनाव में दोनों साम्यवादी दल प्रतिद्वंदी बने तो विचारधारा की आड़ में मार्क्सवादी-लेनिनवादी दल भी अस्तित्व में आया।

घुटती सांसें, कटते पेड़... प्रशासन मौन, आखिर वजह क्या?

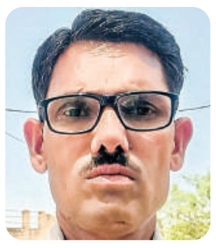

राम भरोस मीणा
पर्यावरण कार्यकर्ता

सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लगभग दस हजार पेड़ कटेंगे जिनका प्रभाव पारिस्थितिकी तंत्र के साथ साथ मौसम पर भी दिखाई देने से नकारा नहीं जा सकता। पेड़ों की कटाई रोकने के लिए विभाग द्वारा कार्रवाई होना तय हो, जिससे बड़ी क्षति से बचा जा सके।

ठेका पद्धति से सड़कों का निर्माण कराने से प्राकृतिक संसाधनों का शोषण दो गुना अधिक होता है, विभाग चाहे तो बच सकते हैं। लाखों पेड़ हर साल सड़कों की चौड़ाई करण नए सड़क निर्माण रास्तों की मरम्मत जैसे कार्य मानव के आर्थिक विचारधाराओं के साथ जुड़ा हुआ है और सदियों से रास्तों के निर्माण का कार्य चला आ रहा है। कच्चे रास्तों का निर्माण, ग्रेवल रोड निर्माण, फिर डामरीकरण का दौर तथा वर्तमान में सीसी रोड बनाने का दौर पिछले एक दशक से तेजी से रफ्तार पकड़ रखा है। खैर जो भी हो, विकास के साथ रोड बनना रोडों का चौड़ा होना जैसे-जैसे परिवहन के संसाधनों में इजाफा होगा वैसे-वैसे निर्माण होना तय है। निर्माण पहले भी होते रहे और आज भी हो रहे हैं, लेकिन दोनों में बहुत बड़ा अंतर रहा। पहले जिम्मेदारी से काम होता था, आज विभाग ठेकेदार को देकर पीछा छुड़ाता है। चाहे काम जैसे भी हो, यहीं नहीं विकास के नाम पर हमारी प्राकृतिक सम्पदाओं को नष्ट किया जा रहा है। पानी के रास्तों को अवरूद्ध किया जा रहा है, पहाड़ों पर रोड निर्माण के नामों खनन तेज हो रहा है, चौड़ीकरण व नवनिर्माण के नाम पर पेड़ों की कटाई आदि। कार्य की स्वीकृति संवैधानिक नियमों, पर्यावरणीय स्वीकृति, वन विभाग की अनुमति परिवहन मंत्रालय की अनुमतिराजस्व स्वीकृति जैसे बहुत सारे विभाग व मंत्रालयों से गुजर कर स्वीकृति प्राप्त होती है और सही भी है, होनी चाहिए। सभी विभागों को पता होना चाहिए। सब अपनी-अपनी जिम्मेदारी भी पूरी करते हैं, सत्य है। कार्य की स्वीकृति तथा कार्य निर्माण की अनुमति मिलने के बाद आखिर ये सभी विभाग व मंत्रालय के स्वीकृतिदाता कहां चले जाते हैं जो सब कुछ ठेकेदारों पर विश्वास कर छोड़ दिया जाता है? क्या ये सभी नियमों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं या जो हो रहा है वो सत्य व सही है। वर्तमान में देश की बात करें तो नई-पुरानी छोटी-बड़ी कच्ची ग्रेवल सीसी सड़कें लगभग एक लाख किलोमीटर से अधिक लम्बाई में प्रतिवर्ष बनाई जा रही हैं, जिनके निर्माण के नाम पर करोड़ों पेड़ों की बलि चढ़ा दी जाती है, इसे नकारा नहीं जा सकता। पिछले दो-तीन महीनों से राजस्थान के अलवर-जयपुर में थानागाजी से शाहपुरा के मध्य एनएच 248-ए पर सड़क चौड़ाईकरण का कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। रोड को चौड़ा होना है, सर्वे हुआ है सड़क के दोनों तरफ नई सड़क बननी है, सभी प्रकार का सर्वे हुआ। पेड़ भी गिने गए, काटने योग्य को चिन्हित करना तय हुआ, कटाई ठेकेदार को ठेके पर देने के बाद विभाग पेड़ों को चिन्हित करना भूल गया। आखिर ऐसा क्यों? क्या मजबूरी थी? आज की स्थिति में कटू सत्य है। जो पेड़ आज से चार दशक पूर्व सड़क के दोनों ओर सघन लगाए गए, विशालकाय रूप लिए पारिस्थितिकी सिस्टम को बनाए रखा वे सड़क के दोनों किनारों पर एक सप्ताह पूर्व तक दिखाई दे रहे थे, अनुमानित संख्या दस हजार से ऊपर थी, बड़ी निर्दयता से कांटे जा रहे हैं। काटना था, लेकिन इस बर्बरता के साथ नहीं। कटान सड़क किनारे से लेकर पचास फुट की दूरी तक हो रहा है, जो सरासर गलत है, जनता हर किसी को बता रही है, आपस में चर्चा कर रहे हैं गुस्सा दिखाई दे रहा है, लेकिन जनता की सुनने वाला, पेड़ों के महत्व को समझने वाला आखिर है कौन? पेड़ों की कटाई के साथ सड़क निर्माण में बरती जा रही खामियों के चलते सड़क के आस पास पोल्यूशन बढ़ता जा रहा है, वायु की गुणवत्ता खत्म हो गई, आम आदमी धूल मिट्टी परिवहन के साधनों के धुएं से परेशान हो रहा है, पर्यावरण पर पेड़ों की कटाई का असर दिखने लगा है। एक किलोमीटर से अधिक दूरी से धूल के बादल दिखाई देने लगे हैं। आस पास के लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ने लगा है, पेड़ जो बिगड़ते पर्यावरणीय हालातो को बनाए रखने में अपना योगदान दे रहे थे, उनकी बली लीं जा रही है जो पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा खतरा है। सड़क के दोनों ओर नीम शीशम, किकर, सफेदा के एक हजार से अधिक पेड़ कांटे जा चुके हैं, जिनमें सैकड़ों पेड़ रोड की चौड़ाई करण की सीमा से काफी दूर स्थित थे आखिर उन्हें क्यों कांटा गया और प्रशासन मौन क्यों हैं? एक विचारणीय व सोचने योग्य बात है कि पेड़ों की इस कदर कटाई से पोल्यूशन ही नहीं बड़ा बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र पर भी बुरा असर पड़ा है। एक ओर जहां गिरते वायु की गुणवत्ता और बढ़ते प्रदूषण से ऑक्सीजन की कमी पैदा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ यदि दस हजार से अधिक पेड़ों के एक साथ कटान हुआ तों यहां मौसम पर भी असर दिखाई देने की सम्भावना से नकारा नहीं जा सकता। सड़क की चौड़ाई के तहत हो रहे पर्यावरणीय खतरों को मध्य नजर रखते हुए वनविभाग, पर्यावरण विभाग व स्थानीय प्रशासन द्वारा इस पर निगरानी के साथ कार्रवाई होना जरूरी है उससे अधिक पेड़ों के चिन्हीकरण का कार्य बहुत आवश्यक है और वह सभी जगह जहां सड़क निर्माण हो वहीं होना चाहिए, जिससे प्राणदाताओं के प्राण बचाए जा सकें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> *वर्तमान में देश की बात करें तो नई पुरानी छोटी-बड़ी कच्ची ग्रेवल सीसी सड़कें लगभग एक लाख किलोमीटर से अधिक लम्बाई में प्रतिवर्ष बनाईं जा रही हैं, जिनके निर्माण के नाम पर करोड़ों पेड़ों की बलि चढ़ा दी जाती है, इसको नकारा नहीं जा सकता। पेड़ों की कटाई के साथ सड़क निर्माण में बरती जा रही खामियों के चलते सड़क के आस पास पोल्यूशन बढ़ता जा रहा है।*

कथाकार राजेंद्र यादव का स्मृति दिवस

दीगर लेखन और नए विमर्शों के पैरोकार

जाहिद खान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

हिंदी साहित्य को अनेक साहित्यकारों ने अपने लेखन से आबाद किया है, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं, जो अपने साहित्यिक लेखन से इतर दीगर लेखन और उनके द्वारा शुरू किए गए विमर्श से पूरे मुल्क में मशहूर हुए। कथाकार राजेंद्र यादव का नाम ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार होता है। वे जब तक जीवित रहे हिंदी साहित्य में उनकी पहचान, जीवंत और चर्चित साहित्यकार के तौर पर होती रही। वे 'नई कहानी' के प्रर्वतक में से एक थे। उन्होंने अपने खास दोस्तों कमलेश्वर और मोहन राकेश के साथ मिलकर 'नई कहानी' आंदोलन को नई धार दी। वर्तमान में प्रचलित कई विमर्शों मसलन स्त्री, अल्पसंख्यक, आदिवासी और दलित विमर्श को साहित्य के केन्द्र में लाने और उसे निर्णायक स्थिति पर पहुंचाने में भी राजेन्द यादव का बड़ा योगदान था। साहित्यिक लघु पत्रिका 'हंस' के जरिए उन्होंने लगातार हिंदुस्तानी समाज, सियासत और साहित्य में हस्तक्षेप करने का काम किया। प्रेमचंद द्वारा साल 1930 में प्रकाशित पत्रिका 'हंस' के पुनर्प्रकाशन की जिम्मेदारी, 31 जुलाई 1986 से एक बार जो उन्होंने अपने कंधे पर ली, तो इसके प्रकाशन का दायित्व उन्होंने अपने मरते दम तक 28 अक्टूबर, 2013 यानी पूरे 27 साल निभाया। 'मेरी-तेरी उसकी बात' के तहत 'हंस' में प्रस्तुत राजेंद्र यादव के सम्पादकीय का पाठक और लेखक दोनों ही इंतजार करते थे। गोया कि इन सम्पादकीय से भी कई बार नए विमर्श पैदा हुए। वाद-विवाद और संवाद हुआ। यही उनकी शख्सियत की खासियत थी।

साहित्यकार राजेंद्र यादव की कहानी, कविता, उपन्यास और आलोचना समेत साहित्य की तमाम विधाओं पर समान पकड़ थी। उन्होंने अपनी जिंदगी के आखिर तक खूब लिखा। 'देवताओं की मूर्तियां', 'खेल खिलौने', 'जहां लक्ष्मी कैद है', 'छोटे छोटे ताजमहल', 'टूटना' जहां राजेंद्र यादव के प्रमुख कहानी संग्रह हैं, तो 'सारा आकाश', 'उखड़े हुए लोग', 'शह और मात', 'एक इंच मुस्कान' (पत्नी मन्नू भंडारी के साथ सह लेखन), 'अनदेखे अनजान पुल' उनके उपन्यास हैं। 'हंस' में छपे उनके सम्पादकीय किताब 'कांटे की बात' के अंतर्गत बारह खंडों में प्रकाशित हुए हैं। कहानी, उपन्यास के अलावा राजेंद्र यादव ने आलोचना और निबंध भी लिखे। 'कहानीः स्वरूप और संवेदना', 'कहानीः अनुभव और अभिव्यक्ति', 'प्रेमचंद की विरासत', 'अठारह उपन्यास', 'औरों के बहाने', 'आदमी की निगाह में औरत', 'वे देवता नहीं हैं', 'मुड़-मुड़के देखता हूं', 'अब वे वहां नहीं रहते', 'काश, मैं राष्ट्रद्रोही होता' आदि उनकी आलोचना और निबंधों की किताबें हैं। विपुल लेखन, लेखक और पाठकों में जबर्दस्त मकबूलियत के बावजूद, राजेंद्र यादव को सत्ता से वह मान-सम्मान नहीं मिला, जिसके कि वे वास्तविक हकदार थे। न ही वे कभी किसी पुरस्कार या सम्मान के पीछे भागे। हिंदी साहित्य में तमाम बड़े-बड़े पुरस्कार पाने वाले आज कितने ऐसे साहित्यकार हैं, जिन्हें राजेंद्र यादव जैसी लोकप्रियता और पाठकों का प्यार मिला है? इस मामले में, डॉ. नामवर सिंह ही अकेले उनका मुकाबला करते थे। इन दोनों के बीच रिश्ता भी अजीब था। राजेंद्र यादव ने नामवर सिंह के बारे में कुछ भी टिप्पणी की हो या नामवर ने राजेंद्र के बारे में, मजाल है कि इन टिप्पणियों से दोनों के रिश्तों में कोई खटास आई हो। बल्कि यह रिश्ता और भी ज्यादा मजबूत हो जाता था। बहरहाल सम्मान या पुरस्कार की बात करें, तो उन्हें हिंदी अकादमी दिल्ली ने साल 2003-04 में अपने सर्वोच्च सम्मान 'शलाका सम्मान' से सम्मानित किया था। राजेंद्र यादव और विवादों का हमेशा चोली-दामन का साथ रहा।

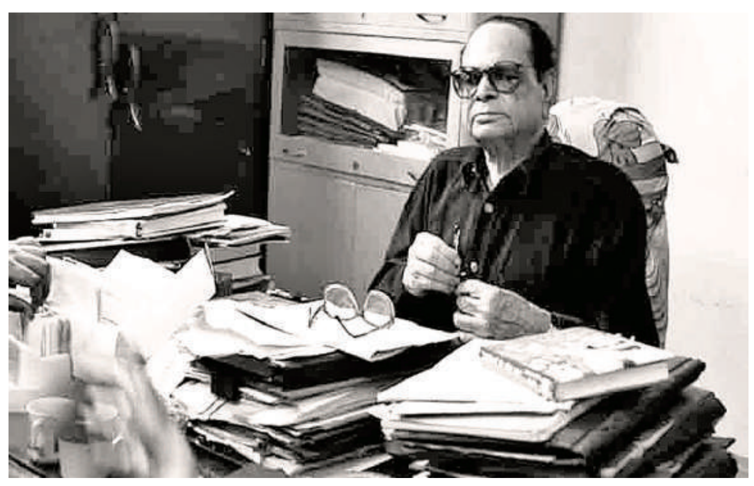

विवादों के बिना राजेंद्र यादव का तसव्वुर भी नहीं किया जा सकता था। चाहे वे अपनी पत्रिका में सम्पादकीय लिखें, या कहीं कोई व्याख्यान दें या फिर 'हंस' की सालाना गोष्ठी का मौका हो, कोई ना कोई विवाद उनके साथ जुड़ ही जाता था। विवादों ने मरते दम तक उनका साथ नहीं छोड़ा। स्त्री और दलित विमर्श को लेकर तो वे हमेशा मुखर रहते थे। स्त्री और दलित विमर्श के पीछे उनकी खुद की क्या सोच और मंशा थी?, इसका जवाब उन्होंने अपने कई इंटरव्यू में विस्तार से दिया था। उनके बारे में कोई भी राय बनाने से पहले, इसे जानना बेहद जरूरी है। उन्हीं के अल्फाजों में, ''साहित्य में इस तरह का विमर्श कोई नई बात नहीं है। यह बहुत दिनों से चला आ रहा है। साहित्य हमेशा उन्हीं पक्षों के बारे में बात करता है, जो दबे-कुचले शोषित वर्ग हैं। साहित्य हमेशा उन्हीं लोगों की आवाज बनता है, जिनके पास आवाज नहीं। लिहाजा मैंने कोई नया काम नहीं किया। मैंने वही किया, जो मुझे करना चाहिए था। यह विमर्श बहुत दिनों से चला आ रहा है।

हमारा मध्यकालीन साहित्य इसका प्रमाण है। हमारा जो दलित साहित्य है, वह हमेशा श्रम को प्रधानता देता है। 'हंस' के माध्यम से मैंने कोशिश यह की कि उन्हें एक प्लेटफॉर्म दिया और उन्हें एक सैद्धांतिक आधार दिया। हमारा जो अभी तलक का साहित्य था, उसमें बाहर के लोगों का कोई प्रवेश नहीं था। इसमें दलित और स्त्रियों का प्रवेश निषिद्ध था। साहित्य भी बड़े-बड़े केन्द्रों जैसे दिल्ली, बनारस, इलाहाबाद आदि बड़े शहरों तक ही सीमित था। विषय बहुत सीमित थे। हमने साहित्य का लोकतंत्रीकरण किया। हमने हिंदी साहित्य के दरवाजे सबके लिए खोले। फिर हमने केवल स्त्री दलित विमर्श ही नहीं किया। हमने भाषा का विमर्श किया, साम्प्रदायिकता पर विमर्श किया।

राजेंद्र यादव जब तक 'हंस' के सम्पादक रहे, उन्होंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की कि यह पत्रिका, हिंदी जगत में सिर्फ साहित्यिक पत्रिका के तौर पर नहीं पहचानी जाए, बल्कि यह गंभीर विमर्श की पत्रिका के तौर पर पढ़ी जाए। इससे नवोदित रचनाकार और पाठक दोनों कुछ न कुछ सीखें। सच बात तो यह है कि रचनात्मकता के साथ जुड़ी अनेक समस्याओं को, जो एक संवेदनशील लेखक-पाठक को प्रभावित करती हैं, उन्होंने उसे दीगर सम्पादकों के बनिस्बत ज्यादा बेहतर तरीके से जाना-समझा और उन्हें अपनी पत्रिका में अहमियत के साथ जगह दी। उनके इस काम की वजह से उन पर कई इल्जाम भी लगे। मसलन ''स्त्री विमर्श के नाम पर वे अपनी पत्रिका में सिर्फ देह ही देह प्रस्तुत करते हैं या फिर दलित विमर्श के नाम पर गालियां दी जा रहीं हैं!'' अपनी इन आलोचनाओं और छींटाकशी पर राजेंद्र यादव जरा सा भी विचलित नहीं होते थे। आलोचना का जवाब, वे इतनी तार्किकता से देते कि विरोधी भी उनका लोहा मान लेते थे। दलित विमर्श की आलोचना पर उनकी कैफियत होती, ''दलित जब अपनी बात रखेगा, तो वह अपनी तरह की बात होगी। दलितों के जो पक्षकार हैं, जब वह अपनी बात रखते हैं, तो उन्हें लगता है कि यह कैसी बात है? इस तरह का तो हमारे पास कोई एजेंडा ही नहीं था। जाहिर है, दलित जब खुद अपनी बात रखेगा, तो वह बात अलग तरह की होगी। उसके भटकाव, उसके रास्ते अलग होंगे। उसकी शैली, सब बातें अलग होंगी।'' उनकी यह बात सोलह आना सच भी है। एक दलित साहित्यकार और एक गैर दलित साहित्यकार दोनों का साहित्य उठा लीजिए, इनमें फर्क साफ दिखलाई दे जाएगा। राजेंद्र यादव, किसी विषय पर अपना जो स्टेंड लेते, उस पर आखिर तक कायम भी रहते थे। किसी विचारधारा, दवाब या प्रलोभन में उन्होंने अपना स्टेंड बदला हो, ऐसी मिसाल बहुत कम मिलती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> *विपुल लेखन, लेखक और पाठकों में जबर्दस्त मकबूलियत के बावजूद, राजेंद्र यादव को सत्ता से वह मान-सम्मान नहीं मिला, जिसके कि वे वास्तविक हकदार थे। न ही वे कभी किसी पुरस्कार या सम्मान के पीछे भागे। हिंदी साहित्य में तमाम बड़े-बड़े पुरस्कार पाने वाले आज कितने ऐसे साहित्यकार हैं, जिन्हें राजेंद्र यादव जैसी लोकप्रियता और पाठकों का प्यार मिला है? इस मामले में डॉ. नामवर सिंह ही अकेले उनका मुकाबला करते थे।*

व्यंग्य

बातों ही बातों में...

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

हम कभी न कभी, किसी न किसी रूप में बात-बेबात किसी भी विषय पर यूं ही माथा फोड़ी किया करते हैं। इतना जरूर है कि हमारा अवचेतन मन इस बात को लेकर विशेष संज्ञान नहीं लेता। लेकिन वर्तमान दौर के सामाजिक जीवन में बैठे ठाले किसी न किसी विषय पर विस्तार से जाना, एक सहज मानवीय स्वभाव है। यह भी सच है कि 'न उधो का लेना न माधो का देना', इस नीति पर चलने वाले भी कभी न कभी बिना किसी मतलब के किसी विषय पर गहरी डुबकी लगा जाते हैं।

आमतौर पर राजनीति और मौसम से संबंधित विषय को समयकाटू विषय माना जाता है। जो पत्र-पत्रिकाओं से वास्ता रखते हैं, वे अन्य विषयों पर भी साधिकार चर्चा कर लिया करते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के समय दर्शकों की राष्ट्रभक्ति की भावना बलवती होती दिखाई देती है। कहीं न कहीं क्रिकेट मैच को लेकर ' अनेकता में एकता 'प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है। छोटे-बड़े चुनावों के दौर में घर की दहलीज से लेकर गांव/शहर की चौपाल तक राजनीतिक जनजागृति का परिचय मिलता है। परस्पर चर्चा के दौरान बात में से बात निकलती चली जाती है। वैसे माना जाता है कि बिना बात के बात नहीं होती, लेकिन व्यावहारिक रूप से देखा गया है कि बिना बात की बात, बवाल मचा दिया करती है। बात की बात में से निकलकर जब कोई बात कहां से कहां पहुंच जाती है, तो उसमें हर कोई अपनी ओर से कोई नई बात जोड़ दिया करते हैं। चलते-चलते बात का स्वरूप बदल जाना, एक सामान्य बात है। जो बातूनी होते हैं, वे एकतरफा बातचीत का भरपूर आनंद उठाते हैं। कुछ मौका देख कर बात करते हैं, तो कुछ औरों को बात करने का मौका दे दिया करते हैं। कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि किसी खास शख्सियत के आ जाने पर चर्चा में उफान आ जाया करता है। जो वाकपटु होते हैं, बहुत ही दक्षता के साथ अपना लोहा मनवा लिया करते हैं। होने को तो कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके बात करने का अंदाज निराला होता है। ये साधारण से साधारण सी बात भी कहते हैं, तब भी चर्चा में छा जाया करते हैं। कुछ अपनी बात कह नहीं पाते, इसलिए किसी और से कहलाने की कोशिश किया करते हैं। बात करने वालों की सबकी अपनी अलग-अलग शैली हुआ करती है। लच्छेदार भाषा व्यापक असर छोड़ती है, इसके माध्यम से परस्पर चर्चा में कूटनीतिक सफलता प्राप्त होती है। कुछ अच्छे श्रोता होते हैं, चर्चा में भाग नहीं लेते लेकिन चर्चा में सम्मिलित रहा करते हैं। दूसरों की बातचीत के दौरान इनका वैचारिक मंथन चला करता है। ऐसे लोग कभी-कभी ही कोई बात कहते हैं। लेकिन जब कभी बात कहते हैं, उनकी बात को बहुत ही गंभीरता के साथ लिया जाता है। अब यह अलग बात है कि चर्चा के दौरान तो कोई उन्हें इतनी गंभीरता से नहीं लेता। एक प्रकार से उनका चर्चा में शरीक होना न होना, किसी के लिए कोई मायने नहीं रखा करता। ये सामान्य तौर पर सहज सरल होते हैं लेकिन वैचारिक नजरिए से क्रांतिकारी हुआ करते हैं। जैसे कि गरजने वाले बरसते नहीं और बरसने वाले के लिए गरजना, कोई जरूरी भी नहीं होता। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि कोई एक कान से सुनकर दूसरे कान से तत्काल निकाल दिया करते हो।

दरअसल बात करना भी एक कला है, जो इस कला में निपुण होता है, वही पूर्णता को प्राप्त करता है। कुछ व्यापार-व्यवसाय और पेशे में बात की ही खाई जाती है। बातों ही बातों में अपनी बात मनवा लेने की काबिलियत रखने वाले जीवन रणसंग्राम के कुशल योद्धा होते हैं। कुछ काम-धंधे तो बिना पूंजी और बिना माल भी होते हैं। लेकिन ऐसा धंधा भी उनको ही मालामाल करता है, जो बातों ही बातों से सामने वाले को निहाल कर देते हो। अन्यथा बात की कोई कीमत हो यह तो कोई बात ही नहीं है। चार मिलते हैं, तो दो-चार बात तो होती ही है। लेकिन जब चार मिलती हैं ! अब क्या बताएं..... बस, जाने कहां-कहां से होकर, जाने कहां-कहां तक बातें पहुंचें।

नॉलेज कॉर्नर: चार्ली क्लाइन ने किया था पहली बार इलेक्ट्रॉनिक संदेश का प्रेषण

विंट सेर्फ को माना जाता है इंटरनेट का जनक

वर्तमान में इतनी विशाल दुनिया को कोई भी व्यक्ति कहीं से भी देख सकता है। हर पल वो दुनिया की किसी भी घटना से रूबरू हो सकता है। इन सभी कामों को इतना आसान और सरल बनाया है दुनियाभर में इंटरनेट के सफलतम संचालन ने। इंटरनेट के कारण देश-दुनिया की हर प्रकार की जानकारी को एक जगह से दूसरी जगह तीव्र गति से पहुंचाया जा रहा है। इंटरनेट के कारण ही दुनियाभर के लोग एक-दूसरे से विभिन्न माध्यमों से जुड़े हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि अधिकतर लोगों को इंटरनेट के आविष्कार और आविष्कारक के बारे में जानकारी नहीं है। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं इंटरनेट और उसके अविष्कारक के बारे में...

भारत में 1995 में हुई शुरुआत

इंटरनेट को 1973 और 1974 के बीच जेरॉक्स पर्स में विकसित किया गया था। यह अलोहानेट से प्रेरित था, जिसे रॉबर्ट मेटकाफ ने अपने पीएचडी शोध प्रबंध के रूप में अध्ययन किया था। विंट सेर्फ को इंटरनेट का जनक माना जाता है। वह इंटरनेट और टीसीपी/आईपी प्रोटोकॉल के निर्माण के सह-डिजाइनर हैं। चार्ली क्लाइन ने 29 अक्टूबर 1969 को पहली बार इलेक्ट्रॉनिक संदेश इस पर प्रेषित किया। इंटरनेट सेवाओं को भारत में 15 अगस्त, 1995 को विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा शुरू किया गया। नवम्बर, 1998 में सरकार ने निजी ऑपरेटरों द्वारा इंटरनेट सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्र को खोला था। ब्रिजयेंद्र कुमार सिंगल को भारत में इंटरनेट क्रांति का जनक माना जाता है। भारत में इंटरनेट की शुरुआत और उसे विकसित करने में उनका अहम योगदान था।

5.30 अरब यूजर

आज दुनिया में 5.30 अरब इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। पिछले 12 महीनों के दौरान दुनिया भर में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या में 189 मिलियन की वृद्धि हुई है। भारत में इसके 56 करोड़ यूजर्स हैं। 2018 में दुनियाभर में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 51.2 फीसदी रही। 1995 में महज 1.6 करोड़ लोग ऑनलाइन थे। इंटरनेट, इंडियन इकोनॉमी में सालाना 7.10 लाख करोड़ रुपए का योगदान देता है। भारत में साइबर एडिक्शन को लेकर किए गए एक सर्वे के अनुसार 18 से 30 साल के बीच 5 में से 3 युवा ऐसे हैं जो अपने स्मार्टफोन के बगैर बुरी तरह से बेचैन हो जाते हैं।

अमेरिकी सेना से शुरुआत

इंटरनेट की शुरुआत 1969 में हुई थी, जब अमेरिका में सेना के लिए एक कंप्यूटर नेटवर्क तैयार किया गया था, जिससे परमाणु युद्ध होने की स्थिति में सूचना का आदान-प्रदान किया जा सके। इंटरनेट अरपानेट के रूप में इसे जाना जाता था। वर्ष 2005 में पहली बार अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट दिवस मनाया गया था।

कंटेंट: श्रवण भाटी

X

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
याद रखें इन स्कीमों को रखना है जारी, अब 10 गुना रफ्तार से तरक्की की तैयारी- #कांग्रेस_फिर_से

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
जीवन भर योग न करें। बस इसे आज ही करें।

छत्तीसगढ़ की चुनाव परिक्रमा: बघेल के ईडी पर बयान को लेकर सियासी घमासान

राहुल गांधी देंगे चुनाव अभियान को धार, कर सकते हैं कई घोषणाएं

एजेंसी | रायपुर

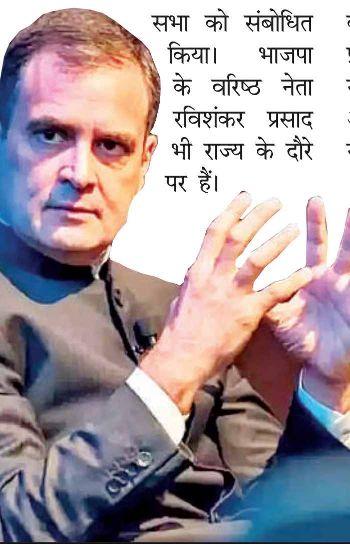

छत्तीसगढ़ में चुनावी सरगर्मी तेज है। भाजपा और कांग्रेस के नेता चुनाव प्रचार अभियान में जुटे हैं। चुनाव प्रचार अभियान के दौरान भाजपा और कांग्रेस के नेता एक दूसरे पर जमकर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह के समर्थन में मनेंद्रगढ़ में आयोजित आम सभा को संबोधित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद भी राज्य के दौरे पर हैं। कांग्रेस की ओर से राज्य की चुनाव प्रभारी कुमारी शैलजा गुरुवार को राज्य का दौरा किया। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार से राज्य का दो दिवसीय दौरा शुरू करेंगे। इस दौरान वे फरसगांव, भानुप्रतापपुर और कवर्धा में जनसभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार राहुल इन सभाओं से चुनाव के लिए नई घोषणाएं कर सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 30 अक्टूबर को दुर्ग में पाटन विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

ईडी से परेशान हैं तो भ्रष्टाचार मत कीजिए: रविशंकर प्रसाद

सीएम भूपेश बघेल के ईडी को लेकर दिए बयान पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। हमें मालूम है उन्हें ईडी से परेशानी होती है तो भ्रष्टाचार मत कीजिए। लूट मत कीजिए। आप लूट भी करेंगे और कार्रवाई नहीं हो ऐसा नहीं हो सकता। करवाई तो होगी ही। उल्लेखनीय है कि सीएम भूपेश बघेल ने बलौदाबाजार में एक सभा के दौरान कहा था कि आज कल सड़क पर ईडी कुत्ते बिल्ली की तरह घूम रही है। प्रसाद ने दावा किया कि हम निर्णायक जीत की ओर बढ़ रहे हैं और निर्णायक जीत का आधार यही है कि भूपेश बघेल ने जिस प्रकार से ईडी को लेकर बयान दिया है, उससे स्पष्ट होता है। सामान्य तौर पर मुख्यमंत्री से ऐसी भाषा की अपेक्षा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि ईडी कुत्ते,बिल्ली की तरह सड़क पर घूम रहे हैं,जो बेहद ही निंदनीय है।

राज्य में आदिवासियों का हो रहा है धर्मपरिवर्तन: सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य के महासमुंद में एक रैली में लोगों से छत्तीसगढ़ में भाजपा को चुनने का आग्रह किया ताकि डबल इंजन सरकार राज्य के विकास के लिए काम कर सके। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह कभी भी अयोध्या में राम मंदिर नहीं जाते। यह रैली महासमुंद जिले के चार निर्वाचन क्षेत्रों- महासमुंद, खल्लारी, बसना और सरायपाली से भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने से पहले आयोजित की गई थी। सरमा ने आरोप लगाया कि राज्य में धर्म परिवर्तन हो रहा है। राज्य के हर हिस्से में आदिवासियों का धर्मांतरण कराने की साजिश चल रही है। सनातन पर हमला किया जा रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सरमा ने सवाल किया, केंद्र में कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों ने राम मंदिर क्यों नहीं बनाया और प्रधानमंत्री मोदी का इंतजार क्यों किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस की भगवान राम के प्रति कोई भक्ति नहीं है। सरमा ने कहा, मैंने पिछले 3-4 वर्षों में कभी किसी कांग्रेस नेता को राम मंदिर जाते नहीं देखा। राहुल गांधी चुनाव के दौरान मंदिर जाते हैं लेकिन राम मंदिर (अयोध्या में) नहीं जाते।

जोगी कांग्रेस की पांचवीं सूची में मधु किन्नर को टिकट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 27 उम्मीदवारों की अपनी पांचवीं सूची जारी की। पार्टी ने पूर्व महापौर मधु किन्नर और कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके गोरेलाल बर्मन को सूची में शामिल किया है। पार्टी ने अब तक राज्य की कुल 90 सीट में से 60 सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने गोरेलाल बर्मन को पामगढ़ (एससी) सीट से मैदान में उतारा है। गोरेलाल गुरुवार को कांग्रेस छोड़कर जेसीसी (जे) में शामिल हुए थे। वहीं, रायगढ़ की पूर्व महापौर मधु बाई किन्नर को रायगढ़ सीट से उतारा गया है। इस चुनाव में जेसीसी (जे) पहला राजनीतिक दल है जिसने 'थर्ड जेंडर' के व्यक्ति को अपना उम्मीदवार बनाया है।

चुनाव: सुरक्षाबलों की 1700 कंपनियां होंगी तैनात

नई दिल्ली। अगले माह पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में केंद्रीय सुरक्षाबलों के अलावा राज्य पुलिस के जवानों को भी तैनात किया जाएगा। सभी राज्यों में चुनाव के दौरान केंद्रीय सुरक्षाबल और राज्य पुलिस बलों की 1700 कंपनियों को तैनात किए जाने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में 7 से 30 नवंबर के बीच मतदान होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। सुरक्षाबलों की तैनाती के बारे में शुक्रवार को सूत्रों ने बताया कि चुनाव वाले क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की आवाजाही के दौरान समन्वय की जिम्मेदारी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की होगी। ताकि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

तेलंगाना: सूर्यापेट में जन गर्जना सभा में बोले गृह मंत्री शाह

भाजपा की सरकार बनी तो पिछड़ा वर्ग से होगा सीएम

एजेंसी | सूर्यापेट(तेलंगाना)

तेलंगाना विधानसभा के लिए चुनावी घमासान के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए कहा कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनी तो पार्टी का अगला मुख्यमंत्री पिछड़ी जाति से होगा।

उन्होंन कहा कि केसीआर अपने बेटे केटीआर को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। यह दोनों ही परिवारवाद को आगे बढ़ाने के लिए ही राजनीति करते हैं। इसके साथ ही शाह ने सूर्यापेट में जन गर्जना सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना का भला न भारत राष्ट्र समिति कर सकती है ना ही कांग्रेस कर सकती है। तेलंगाना का भला और राज्य का सम्पूर्ण विकास केवल भाजपा ही कर सकती है। दरअसल, उन्होंने ये वादा ऐसे समय में किया है, जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी दलों के नेता जातिगत जनगणना की मांग करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग का जिक्र कर मोदी सरकार को घेर रहे हैं। शाह ने कहा, भाजपा का लक्ष्य गरीब कल्याण है और केसीआर और कांग्रेस का लक्ष्य परिवार कल्याण है। भाजपा का लक्ष्य गरीबों का कल्याण है। दूसरी ओर, केसीआर की पार्टी और कांग्रेस का लक्ष्य उनके परिवार का कल्याण है। मैं तेलंगाना के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि ये पार्टियां तेलंगाना का विकास नहीं कर सकती हैं। केवल भाजपा ही राज्य के लिए काम कर सकती है।

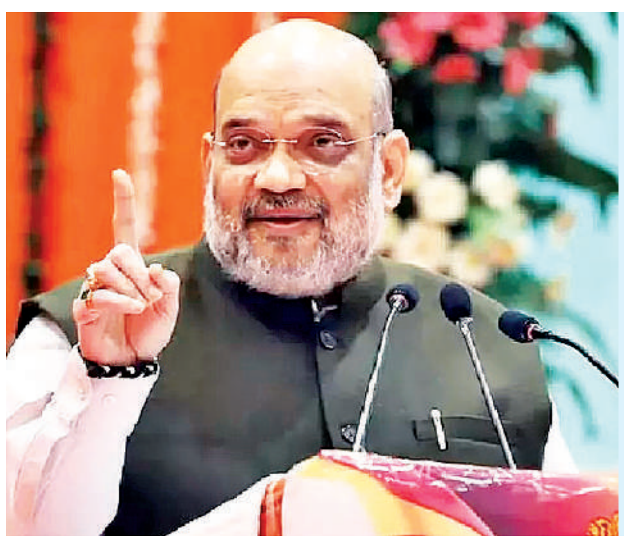

अयोध्या का टिकट बुक करालें... 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है

शाह ने अयोध्या में निर्माणाधीन मंदिर का जिक्र करते हुए लोगों से कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए कि नहीं बनना चाहिए। साढ़े 500 साल से भगवान राम टेंट में रहते थे। आज घोषणा हो चुकी है, 22 जनवरी को मोदी जी वहां जाकर प्राण प्रतिष्ठा करने वाले हैं। सूर्यापेट वालों, आप भी टिकट बुक कराकर रखना। जनवरी के अंत में अयोध्या में राम जन्मभूमि पर.... उसी जगह पर प्रभु श्रीराम का गगनचुंबी मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा।

क्यों शाह ने की पिछड़े सीएम की बात

कांग्रेस कार्यसमित की गत दिनों हैदराबाद में हुई बैठक में राहुल गांधी ने कहा था, हमारे चार में से तीन मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से आते हैं। वहीं भाजपा के दस में से सिर्फ एक सीएम ओबीसी समाज से हैं। छत्तीसगढ, राजस्थान

हरियाणा में भाजपा का नया दांव

नायब सिंह सैनी प्रदेश BJP के अध्यक्ष नियुक्त

■ ओपी धनखड़ पार्टी राष्ट्रीय सचिव होंगे

एजेंसी | चंडीगढ़

कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी को हरियाणा प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा ने यह बड़ा कदम उठाया है। सैनी भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। वहीं, पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष ओपी धनखड़ को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

दरअसल लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा आगामी लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव को हल्के में लेने को तैयार नहीं है। इस कारण भाजपा ने हरियाणा में संगठन के फेरबदल का मन बनाया। पहली बार के सांसद सैनी की नियुक्ति से पार्टी को ओबीसी समुदाय के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

बदलेगी हरियाणा की राजनीतिक धुरी

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार अनुसार हरियाणा की पूरी राजनीति जाट समुदाय के इर्दगिर्द घूमती है। लेकिन भाजपा ने गैर जाट समुदायों को एकत्र कर हरियाणा की राजनीति में पहली बार गैर जाटों को राजनीति के केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया। जानकारों का कहना है कि भाजपा अपनी रणनीति के मुताबिक खुद तो गैर जाट समुदाय को साधने की कोशिश करेगी, जबकि जाट समुदाय को दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जजपा) के सहारे संभालेगी।

तेलंगाना: कांग्रेस के 45 प्रत्याशी और किए घोषित

कांग्रेस ने अजहर को चुनाव मैदान में उतारा

एजेंसी | हैदराबाद/ नई दिल्ली

कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को दूसरी सूची जारी की। इसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन सहित 45 लोगों को टिकट दिया गया है। राज्य के हैदराबाद शहर के जुबली हिल्स सीट से मोहम्मद अजहरुद्दीन को चुनावी मैदान में उतारा गया है। वहीं पूर्व सांसद मधु गौड़ याक्षी को लाल बहादुर नगर सीट से टिकट दिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के सामने सिद्दीपेट सीट से पूजाला हरीकृष्णा को टिकट दिया गया है। इसके अलावा के. राजगोपाल रेड्डी को मुनुगोडे, मुरली नाइक को महबूबाबाद और रॉबिन रेड्डी को अंबरपेट से कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी तेलंगाना की 119 सीटों में से 100 पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। राज्य की सभी सीटों के लिए एक ही चरण में 30 नवंबर को वोटिंग होगी. वहीं मतों की गिनती तीन दिसंबर को की जाएगी। तेलंगाना में हुए 2018 के विधानसभा चुनाव में केसीआर की बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) को बहुमत मिला था। बीआरएस ने 119 सीटों में 88 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, कांग्रेस 19 सीटों पर सिमट गई थी। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने सात सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा ने सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल की थी।

कांग्रेस में लौटे राज गोपाल रेड्डी

तेलंगाना विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी कांग्रेस में लौट आए हैं। रेड्डी ने पिछले साल अगस्त में कांग्रेस और मुनुगोडे से विधायक पद छोड़ दिया था और भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने भाजपा के टिकट पर फिर से चुनाव लड़ा था, लेकिन बीआरएस उम्मीदवार के प्रभाकर रेड्डी से हार गए थे।

मिजोरम के लिए जारी किया 'विजन डॉक्यूमेंट 2023'

भाजपा का ड्रग फ्री मिजोरम का वादा

एजेंसी | आइजोल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का 'विजन डॉक्यूमेंट 2023' घोषणा पत्र जारी किया। इसमें सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण और एमएनएफ सरकार की एक सोशल वेलफेयर स्कीम की जांच कराने सहित कई वादे किए गए।

पार्टी ने कहा है कि हम आयुष्मान भारत के पारिवारिक वार्षिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज को 5 लाख रुपए से दोगुना कर 10 लाख रुपए करेंगे। हम पीएम किसान योजना के तहत किसानों के लिए 6,000 रुपएकी वार्षिक वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति वर्ष करेंगे। 70 पेज का विजन डॉक्यूमेंट जारी करने के बाद नड्डा ने कहा कि भाजपा अगर सत्ता में आई तो राज्य के युवाओं में नशीली दवाओं की लत को रोकने के लिए ऑपरेशन ड्रग-फ्री मिजोरम भी शुरू करेगी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा भी मौजूद रहे।

हमारा घोषणा पत्र शोध पर आधारित

नड्डा ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि आजकल कई राजनीतिक दल अपने विजन दस्तावेज, मिशन दस्तावेज और घोषणापत्र के साथ सामने आते हैं, लेकिन हमें वे महज कागज़ के टुकड़े लगते हैं। उन्हें पूरा यकीन नहीं होता कि वे विजन, मिशन या प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे। भाजपा एक विजन दस्तावेज के लिए जाती है, तो यह एक अच्छी तरह से शोध किया गया दस्तावेज होता है।भारत को एक नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता था। आज न ही एकमात्र उज्ज्वल स्थान है और यह एक स्थिर अर्थव्यवस्था है।

मध्य प्रदेश की चुनाव डायरी

छोटे दल मालवा-निमाड़ व विंध्य अंचल में बिगाड़ेंगे सियासी समीकरण!

एजेंसी | भोपाल

एमपी विधानसभा चुनाव में इस बार सत्ता के दावेदार मुख्य पार्टियों भाजपा व कांग्रेस के सामने कई छोटे दल परेशानी का सबब बन सकते हैं। कांग्रेस और सपा में चुनावी गठबंधन नहीं हो सका है। वहीं आम आदमी पार्टी, बसपा के अलावा अन्य कई छोटे क्षेत्रीय दल भी यहां चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में है। इनमें भारतीय आदिवासी पार्टी और विधायक नारायण त्रिपाठी की पार्टी विंध्य जनता पार्टी शामिल हैं। ये सत्ता की दावेदार पार्टियों के वोटों में सेंध लगाकर सियासी समीकरण बिगाड़ सकती हैं। सीएम शिवराज सिंह व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के लिए चुनौती बन सकती हैं।

भारतीय आदिवासी पार्टी की मालवा- निमाड़ में दस्तक

भारतीय आदिवासी पार्टी ने राज्य की मालवा- निमाड़ अंचल की 9 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। पार्टी ने उन सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारा है, जहां आदिवासियों का बोलबाला है। इनमें देवास, धार, बड़वानी, अलीराजपुर और झाबुआ जैसे जिले शामिल हैं।

विंध्य में नारायण त्रिपाठी की पार्टी 20 सीटों पर लड़ेगी विधानसभा चुनाव

दूसरी ओर विधायक नारायण त्रिपाठी की पार्टी विंध्य जनता पार्टी ने शुक्रवार को 25 विधानसभा सीटों के लिए अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं जिनमें से 20 प्रत्याशी विंध्य क्षेत्र की सीटों पर घोषित कर दिए गए हैं। पार्टी राज्य की कुल 40 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। विंध्य अंचल के साथ पार्टी ने पांच अन्य सीटों पर भी अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। इनमें भोपाल, इंदौर, बुंदेलखंड की एक-एक सीट और महाकौशल क्षेत्र की दो सीटें शामिल हैं। त्रिपाठी ने अपनी पार्टी से 11 ब्राह्मण, एक मुस्लिम और एक महिला को टिकट दिया है।

मैहर से चुनाव लड़ेंगे त्रिपाठी

त्रिपाठी मैहर से विधानसभा सीट ही चुनाव लडेंगे। वे वर्तमान में यहां से विधायक भी है। 2018 के चुनाव में त्रिपाठी ने भाजपा से चुनाव लड़ा था और विजयी रहे थे। भाजपा ने इस बार सूर्यकांत चतुर्वेदी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने धर्मेश घई को टिकट दिया है।

BJP के स्टार प्रचारकों की सूची में उमा भारती को जगह नहीं

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में भाजपा ने पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह और सीएम योगी समेत 40 नेताओं को जगह दी है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का नाम इस सूची में शमिल नहीं है। सूची में शामिल प्रमुख नेताओं में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, नितिन गडकरी,राज्य के सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, अनुराग ठाकुर, देवेंद्र फडणवीस, हिमंत बिस्व सरमा आदि नेताओं के नाम शामिल हैं।

शाह का आज से एमपी का दौरा

केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह तीन दिनों के दौरे पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं, जहां वे 28 अक्टूबर को जबलपुर, छिंदवाड़ा और भोपाल विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेंगे। वे 29 अत्तूबर को रीवा, शहडोल, खजुराहो के बाद धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचेंगे। जहां, पर बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद एक आमसभा को संबोधित करेंगे।

जरूरी खबर

मुख्तार अंसारी को अदालत ने सुनाई 10 साल की सजा

गाजीपुर/लखनऊ। गाजीपुर की एमपी-एमएलए अदालत ने शुक्रवार को माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर कानून के तहत दर्ज एक मामले में 10 साल कैद की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार ने मुख्तार अंसारी पर पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। गाजीपुर के अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (आपराधिक) नीरज श्रीवास्तव ने बताया, अदालत ने मुख्तार अंसारी के गिरोह के सदस्य सोनू यादव को भी पांच साल कैद की सजा सुनाई और उस पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया। श्रीवास्तव ने गाजीपुर से फोन पर बताया कि अदालत ने गुरुवार को मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया।

एथिक्स कमेटी ने मोइत्रा के लॉग इन की मांगी जानकारी

नई दिल्ली। पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में संसद की एथिक्स कमेटी (लोकसभा आचार समिति) ने आईटी मंत्रालय और गृह मंत्रालय से टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के संसदीय लॉग इन और लोकेशन की जानकारी मांगी है। एथिक्स कमेटी ने नवंबर में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। संसद में सवाल पूछने के लिए सांसद 'सदस्य पोर्टल' के माध्यम से या फिर संसदीय सूचना कार्यालय से मुद्रित प्रपत्रों की मदद से सवाल पूछ सकते हैं। इस सदस्य पोर्टल पर सवाल पूछने के लिए ही सांसदों को लॉग इन पासवर्ड दिए जाते हैं।

सुरक्षा स्वयंसेवकों की सेवाएं समाप्त को मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने इस साल एक नवंबर से सभी नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की सेवाएं समाप्त करने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस बीच, आप सरकार के सूत्रों ने कहा कि अगर ऐसा होता है, तो वे उच्चतम न्यायालय जाएंगे। ऐसे में सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के बीच एक नया विवाद शुरू हो सकता है। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री को यह भी निर्देश दिया कि हटाए जाने वाले स्वयंसेवकों को होम गार्ड के रूप में भर्ती करने पर विचार करें।

पीएम मोदी की जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात

चित्रकूट। भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुलसी पीठ के जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की और उनसे आशीर्वाद लिया। इस दौरान जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश का कायाकल्प कर दिया। पीएम मोदी ने जगद्गुरु की पुस्तकों के विमोचन किया और कांच मंदिर में पूजा अर्चना की। चित्र में तुलसी पीठ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रामभद्राचार्य।

पीएम मोदी ने की इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 की शुरुआत, कहा...

पहले सरकार और मोबाइल दोनों हैंग होते थे, लोगों ने बदल दिया

एजेंसी | नई दिल्ली

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के प्रगति मैदान में की। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने कहा, भविष्य यहीं और अभी है। उन्होंने देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के लिए 100 '5जी यूज केस लैब्स' भी पेश की। इसके साथ ही एस्पायर प्रोग्राम की भी शुरुआत की गई, जो टेलीकॉम और डिजिटल डोमेन के युवा उद्यमियों को खुद का व्यसाय मजबूत करने में मदद करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि 2014 से पहले मोबाइल और सरकार दोनों हैंग होते थे। स्क्रीन को कितना भी स्वैप कर लो ठीक नहीं होता था। मोबाइल बंद करके चालू करने पर भी हालत वैसी ही रहती थी। 2014 से पहले देश की सरकार की भी यही हालत थी लेकिन लोगों ने समझदारी दिखाते हुए इसे बदल दिया। 10 साल पहले सरकार की हालत किसी पुराने और आउटडेटेड मोबाइल की तरह थी। इस बदलाव से क्या हुआ वह भी साफ दिखता है। तब हम मोबाइल फोन आयात करते थे, आज निर्यात करते हैं। उन्होंने 2जी घोटाले का जिक्र करते हुए यूपीए सरकार पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, हम देश में न केवल 5जी का विस्तार कर रहे हैं बल्कि 6जी तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं...हर कोई जानता है कि 2जी (यूपीए सरकार के दौरान स्पेक्ट्रम आवंटन) के दौरान क्या हुआ था। हमारी सरकार के दौरान 4जी का विस्तार हुआ लेकिन हम पर कोई दाग नहीं लगा। मुझे विश्वास है कि भारत 6जी तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

■ अब नजर 6जी पर: दुनिया का नेतृत्व करेंगे

6जी टेक्नोलॉजी, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस

इस बार के इवेंट की थीम 'ग्लोबल डिजिटल इनोवेशन' है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में 5जी के विस्तार, 6जी की तैयारियों, ब्रॉडकास्टिंग, ड्रोन डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन, एआई और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी पर फोकस है।

हम बने विश्व के सबसे बड़े मोबाइल उत्पादक

पीएम मोदी ने कहा, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल मैन्युफैक्चर्रस हैं। हम इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का निर्यात कर रहे हैं। गूगल ने भी हाल ही में घोषणा की है कि वो पिक्सल फोन भारत में बनाएगा। एपल और सैमसंग के फोन पहले से ही भारत में बन रहे हैं। पिछले साल हम यहां 5जी रोलआउट के लिए इकट्ठा हुए थे। पूरी दुनिया भारत को हैरत भरी नजरों से देख रही थी...हमने दुनिया का सबसे तेज 5जी रोलआउट किया और हर भारतीय तक 5जी पहुंचाने का काम शुरू किया।

कतर में सजा का मामला

नौसेना के पूर्व अफसरों को बचाने में जुटा भारत

एजेंसी | नई दिल्ली

कतर में मौत की सजा पाए आठ पूर्व नेवी अफसरों को बचाने की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। हालांकि दोनों देशों के अधिकारियों ने इस मामले में अभी चुप्पी साध रखी है। मामले से परिचित अधिकारियों के मुताबिक कतर के कोर्ट के फैसले की कॉपी अभी तक भारतीय पक्ष को नहीं मिली है। बता दें कि विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कतर की अदालत के फैसले पर गहरा दुख व्यक्त किया था। साथ ही सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करने का संकल्प लिया था। इसके अलावा भारतीय पक्ष की ओर से कोई और टिप्पणी नहीं की गई थी।

इस बीच, लोगों का कहना है कि मामले के समाधान के लिए भारतीय टीम ने चुपचाप कोशिशें शुरू कर दी हैं। इसके लिए राजनयिक और आधिकारिक प्रयास किए जा रहे हैं। जिन संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है, उनमें फैसले के खिलाफ अपील दायर करना या दोषी कैदियों के ट्रांसफर के लिए 2015 में भारत और कतर द्वारा साइन किए गए समझौते का इस्तेमाल करना शामिल है, ताकि वे अपने देश में अपनी सजा पूरी कर सकें। सजा प्राप्त व्यक्तियों के ट्रांसफर पर समझौता 2015 में ही अमल में आया था। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी द्वारा भारत की राजकीय यात्रा के दौरान इस पर साइन किए गए थे। इसके अलावा इंटरनेशनल कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की भी संभावना है। ऐसा पूर्व नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव के मामले में किया गया था।

कदम उठाए सरकार: परिजन

इस बीच इन पूर्व नौसेना अधिकारियों के परिजनों ने भारत सरकार से इन्हें बचाने के अपने प्रयास तेज करने और उन्हें वापस लाना का अनुरोध किया है। सुगुनाकर पकाला के साले सी. कल्याण चक्रवर्ती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अधिकारियों को रिहा कराने की अपील की है। सुगुनाकर पकाला गिरफ्तार किए गए नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों में से एक हैं।

राशन वितरण से जुड़ा मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

मंत्री मलिक को ईडी की हिरासत में भेजा

एजेंसी | कोलकाता

करोड़ों रुपए के राशन वितरण घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को शुक्रवार गिरफ्तार किया गया। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पेश किया गया तो वह अदालत में बेहोश हो गए। इसके बाद मलिक को अदालत कक्ष से बाहर बालकनी में ले जाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उन्हें अदालत ने छह नवंबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

जांच एजेंसी ने गुरुवार को मलिक के परिसरों पर तलाशी ली थी। ईडी ने एमहर्स्ट स्ट्रीट पर उनके पैतृक आवास की भी तलाशी ली।

ममता बनर्जी ने दी थी ये चेतावनी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में कहा था कि मलिक को कुछ भी होने की स्थिति में पुलिस में शिकायत दर्ज होगी क्योंकि वह बीमार थे। उन्हें स्वास्थ्य से जुड़ी कई परेशानियां थीं।

होगा पर्सनल लॉ की समीक्षा पर विचार

नई दिल्ली।, संसद की कानून और न्याय संबंधी स्थायी समिति ने अपनी पड़ताल के लिए पर्सनल लॉ की समीक्षा समेत अन्य विषयों को चुना है। जून में विधि आयोग ने सार्वजनिक और मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों सहित हितधारकों से राय मांगकर यूसीसी पर नए सिरे से विचार-विमर्श शुरू किया था।

बदरीनाथ के किए दर्शन

देहरादून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ ने उत्तराखंड में बदरीनाथ मंदिर के दर्शन किए।

विक्रम लैंडर से बना शानदार 'इजेक्ट हेलो'

108.4 वर्गमीटर क्षेत्र में फैल गई थी 2.06 टन लूनर मिट्टी

एजेंसी | बेंगलुरु

23 अगस्त 2023 को भारत के चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुप पर सॉफ्ट लैंडिंग करके इतिहास रच दिया था, लेकिन उस दिन लैंडर के चांद की सतह पर उतरते ही दक्षिणी ध्रुप पर एक घटना और हुई थी। विक्रम के चंद्रमा की सतह पर इतनी लूनर मिट्टी उड़ी कि उसने चांद पर ही एक इजेक्ट हेलो तैयार कर दिया। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया कि विक्रम लैंडर के चांद पर उतरते ही लगभग 2.06 टन लूनर मिट्टी चांद पर 108.4 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैल गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 पर अपडेट शेयर करते हुए शुक्रवार को एक्स पर यह जानकारी दी। अंतरिक्ष विज्ञान के इस जटिल घटनाक्रम के बारे में इसरो ने बताया कि आसान भाषा में विक्रम लैंडर के उतरते समय हुई घटना को चांद की सतह पर उड़ने वाली धूल के तौर पर समझा जा सकता है। धूल उड़ने के बाद चांद की सतह पर आभामंडल बना। इस अभूतपूर्व खगोलीय और वैज्ञानिक घटना को इसरो ने इजेक्टा हेलो बताया है।

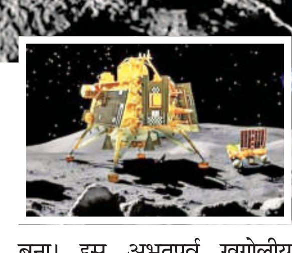

क्या होता है इजेक्ट हेलो

दरअसल चंद्रयान-3 के लैंडर ने जब चांद की धरती पर लैंडिंग की प्रक्रिया शुरू की थी तो इसकी सतह के करीब आते ही वहां मौजूद मिट्टी उड़ने लगी थी। चांद की सतह से उड़ने वाली इसी मिट्टी और उसमें मौजूद चीजों को वैज्ञानिक भाषा में एपिरेगोलिथ कहते हैं। ये वास्तव में लूनर मैटेरियल हैं। लूनर मिट्टी चांद की सतह पर लैंडिंग के समय चंद्रयान-3 के लैंडर में लगे रॉकेट बूस्टर के विपरीत दिशा में फायर करते ही उड़ने लगी थी। इससे वहां चांद की सतह का ठोस हिस्सा बचा है जो एक खास स्ट्रक्चर की तरह दिख रहा है। इसका आकार गोल है, इसलिए इसरो ने इसे "इजेक्ट हेलो" नाम दिया है। इसकी तस्वीर चंद्रयान दो के कैमरे से खींची गई है।

करनी पड़ी थी रॉकेट बूस्टर की फायरिंग

चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण की वजह से चंद्रयान-3 का लैंडर तेज गति से चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ रहा था, क्रैश लैंडिंग से बचाने के लिए इसकी गति धीमी करनी जरूरी थी। इसके लिए इसमें लगे रॉकेट बूस्टर को फायर किया गया था, जिससे वह चंद्रयान-3 के लैंडर को एक खास गति पर ऊपर की ओर धकेल रहा था और दूसरी ओर चांद का गुरुत्वाकर्षण लैंडर को नीचे खींच रहा था। इससे गति धीरे-धीरे शून्य की ओर बढ़ रही थी। सतह तक पहुंचते-पहुंचते धीरे-धीरे रॉकेट बूस्टर की फायरिंग के जरिए लैंडर की गति शून्य की गई थी और इस दौरान जितना समय लगा था उतनी देर तक चांद की मिट्टी सतह से ऊपर उड़ती रही और लैंडिंग साइट से दूर जाकर फिर चांद के गुरुत्वाकर्षण की वजह से धीरे-धीरे सतह पर गिरती रही।

प्रज्ञान रोवर ने भेजीं थी महत्वपूर्ण सूचनाएं

बता दें कि चांद की सतह पर जिस स्थान पर विक्रम लैंडर उतरा इसे शिव-शक्ति बिंदु नाम दिया गया है। प्रज्ञान रोवर की मदद से इसरो वैज्ञानिक 14 दिनों में चांद की सतह पर मौजूद खनिज, वहां के तापमान जैसी जरूरी सूचनाएं जमा करने में सफल हुए हैं। इसके अलावा चंद्रमा की सतह पर सल्फर और प्लाज्मा जैसे तत्वों की मौजूदगी के संकेत भी मिले हैं। प्रज्ञान ने चांद की सतह पर भूकंप का आंकड़ा भी इसरो के साथ शेयर किया।

संजय सिंह की हिरासत 10 नवंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार आम सांसद संजय सिंह की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने 10 नवंबर तक बढ़ा दी। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट में सुनवाई के लिए पेश होने से पहले सिंह ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उनका दावा है कि उन्हें भाजपा की साजिश के तहत गिरफ्तार कराया गया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने सिंह को अपने पारिवारिक खर्चों और संसद सदस्य के रूप में क्षेत्र के कामों के लिए दो चेक पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी।

रवींद्र मंच: 36 महिला कलाकारों ने पुरुष और स्त्री पात्रों को किया जीवंत

पशुओं की करुण पुकार सुन दूल्हा बने नेमिनाथ ने उतार दिए जेवर

बेधड़क.जयपुर। नेमिनाथ और श्रीकृष्ण दोनों चचेरे भाई थे। नेमिनाथ का जन्मोत्सव इंद्र सोधर्म ने पांडू शिला पर मनाया। वह नेमिनाथ के जन्म से पहले ही कुबेर के द्वारा रतन की भी वर्षा होने लगी। श्रीकृष्णा अपने भाई से बहुत प्रेम करते थे और उन्हीं के द्वारा राजा उग्रसेन की लड़की राजमती से रिश्ता पक्का कराया गया। बारात निकली तो हजारों राजा महाराजा उनकी बारात में आए। कलाकारों ने इन सभी दृश्यों को बखूबी मंच पर साकार किया तो दर्शक उत्साहित हो उठे। मौका था रवींद्र मंच में हीरक जयंती महोत्सव के अवसर पर कला व संस्कृति विभाग तथा रवींद्र मंच की ओर से टैगोर थिएटर योजना में धार्मिक और सामाजिक नाटक तीर्थंकर नेमिनाथ व नारायण श्रीकृष्ण के मंचन का। शशि जैन के लिखित व राजेंद्र शर्मा निर्देशित नाटक में नेमिनाथ और श्रीकृष्ण की कहानी बताई गई।

समाचार सुन दुल्हन राजमती भी हो गईं वैरागी

बारात के समय एक तरफ बाड़े में पशुओं को बंधा देख और उनकी करुण पुकार से नेमिनाथ ने अपने मुकुट और जेवर उतारे और जैनेश्वरी दीक्षा लेने की सोची। वहीं, दुल्हन राजमती के कानों में यह समाचार सुनाई पड़े तो उसने भी 16 शृंगार उतारे और वैराग्य धारण किया।

इन्होंने किया शानदान अभिनय

नाटक के पात्रों को कलाकारों ने अभिनय से जीवंत कर दिया। नाटक में बेला जैन, सोनिया जैन, ज्योति जैन, गरिमा, निर्मला, ज्योति, शारदा सोनी शशि जैन, निर्मला बैंद, सरिता गंगवाल, दीपिका बाकलीवाल, दीपिका गोधा, किशा जैन, दिशा जैन, मोहासी, मंजू, अंजू, वंदना, ज्योति, मानसी, दर्शिका ने अभिनय से आकर्षित किया। सरोज छाबड़ा, कुसुम ठोलिया साधना काला ने स्वरों से संगीत को सजाया और संचालन शशि जैन ने किया। रवींद्र मंच मैनेजर सोविला माथुर मैनेजर ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दृष्टि से नाटक तीर्थंकर नेमिनाथ व नारायण श्रीकृष्ण का आयोजन मिनी थिएटर में किया गया। नाटक में सभी पात्रों का अभिनय महिलाओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, टीवी व फिल्म जगत के कलाकार, कला प्रेमी, समाजसेवी, दर्शक अन्य व्यक्ति रहे।

सर्व समाज ने निकाली रैली

बेधड़क. जयपुर। रामायण के रचयिता भगवान महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर सर्व समाज की ओर से भगवा वाहन रैली निकाली गई। रैली राम लीला मैदान से शुरू हुई, जहां कई गणमान्य लोगों ने साधु-संतों सहित भगवान वाल्मीकि व रामजी की आरती उतारी। रैली में केसरिया पताका हाथ में लेकर भगवान वाल्मीकि व राम के जय घोष करते हुए लोग चलते रहे। साथ में सैकड़ों लोग दो पहिया वाहनों पर तो भगवान वाल्मीकि व राम के चित्रों से सजा रथ चल रहा था। रैली चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, हवा महल बाजार, चांदी की टकसाल होते हुए ब्रह्मपुरी स्थित भगवान नवलजी मंदिर पर समाप्त हुई।

रावत स्कूल ने जीते मेडल

बेधड़क. जयपुर। रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर के योग स्टार्स ने सीबीएसई वेस्ट जोन योगा चैंपियनशिप में पूरे वेस्ट जोन में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल, ग्वालियर में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 65 से अधिक स्कूल्स ने पार्टिसिपेशन किया। रावत स्कूल के विद्यार्थियो ने टीम वर्ग 4 से 19 में 5 छात्राओं और व्यक्तिगत प्रतियोगिता ,4 से 19 में 2 छात्राओं ने भाग लिया। व्यक्तिगत वर्ग में कक्षा 9th बी की छात्रा गुंजन अधिकारी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। ग्रुप निदेशक नरेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि पहले भी विद्यालय के विद्यार्थी नेशनल लेवल पर कई अवॉर्ड जीत चुके हैं।

जाना ईश्वर का अस्तित्व

बेधड़क. जयपुर। कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से दार्शनिक सर्वेक्षण गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग की छात्राओं ने विभिन्न संकायों की छात्राओं व शिक्षिकाओं के साथ ईश्वर के अस्तित्व, आत्मा की अमरता और पुर्नजन्म, धन और नैतिकता तथा कर्म संबंधी सिद्धान्त आदि दार्शनिक बिन्दुओं पर बात की। सर्वेक्षण का आशय व्यक्तियों की अप्रकट दार्शनिक मान्यताओं को जानना था। सर्वेक्षण गतिविधि का मुख्य उद्देश्य दर्शनशास्त्र की छात्राओं को व्यावहारिक दार्शनिकी में प्रशिक्षित करना रहा। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्टूडेंट्स को गतिविधि को अधिक विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव ने रूपरेखा निर्मित की तथा सफल संचालन के लिए आभार जताया।

City इवेंट्स

वार्षिक निरंकारी संत समागम-कल से

बेधड़क. जयपुर। संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा हरियाणा में

एवं 30 अक्तूबर, 2023 को निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन सान्निध्य में आयोजित होने जा रहा है। इस बार के समागम का विषय "सकून" रखा गया है, विचारक अपने विचार, कवि अपनी कविताएं , गीतकार गीतों से इस विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालेंगे। जयपुर जोन के जोनल इंचार्ज सुनील बाली ने बताया कि इस समागम का लाभ प्राप्त करने के लिए जयपुर से करीब 250 बड़ी बसें, 2000 कारें, स्पेशल ट्रेन के माध्यम से हजारों निरंकारी भक्त सामिल हो रहे हैं। इस समागम में विश्वभर से निरंकारी भक्त समागम का लाभ प्राप्त करने आते है। भक्त अपने हृदय में 'वसुदैव कुटुम्बकम' का सुंदर भाव लिए हुए एक विस्तृत परिवार के रूप में सतगुरु के साकार दर्शन एवं उनकी दिव्य वाणी को श्रवण करेंगे। यहां सभी जनमानष अपनी भाषा, जाति, धर्म एवं वर्ण को भुलाकर 'एकत्व' के दिव्य संदेश को वास्तविक रूप में चरितार्थ करेंगे।

डीबीएल के ट्रायल्स संपन्न

बेधड़क. जयपुर। निविक डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग (डीबीएल)के पांचवें संस्करण के ट्रायल्स हुए। डीबील चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि आठ अक्टूबर से सताईस अक्टूबर तक चले ट्रायलस स्पॉफिट अकादमी में संपन्न हुए। लीग सेक्रेटरी डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि वरिष्ठ हड्डिरोग विशेषग डॉ. धीरज दुबे ने ट्रायल्स में चयनित डॉ भानु, डॉ. श्रवण, डॉ. अभिषेक डॉ. रवि, डॉ. उत्कर्ष, डॉ. मजुक, डॉ. अक्षज, डॉ. शुभम जैन, डॉ. दिव्या जिंदल डा साक्षी सेहरा डा विदिशा डॉ. प्रियंका सैनी को सम्मानित किया। लीग संयोजक डा हरीश भारद्वाज ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों का ऑक्शन बैंक्वेट हॉल द क्राउन में पांच नवंबर को आयोजित किया जाएगा। लीग कॉर्डिनेटर मोनिका शर्मा व लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. दिलीप गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष डीबीएल ट्राइओ चैंपियनशिप का भी आयोजन किया जाएगा।

मेट्रोपोलिटिन सैनिक स्कूल को मंजूरी

बेधड़क. जयपुर। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने जयपुर में सैनिक स्कूल की स्वीकृति दी गई है। श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति, सीकर रोड, जयपुर में यह स्कूल भी सैनिक स्कूल सोसायटी, नई दिल्ली के नियमानुसार संचालित होगी। प्रवेश के लिए एनटीए से परीक्षा करवायी जाएगी। शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह नांगल ने बताया कि यह सैनिक स्कूल राजस्थान का पहला मेट्रोपोलिटिन सैनिक स्कूल होगा। सैनिक स्कूल में प्रवेश हेतु दो रूट होंगे। जिसमें 40 प्रतिशत सीट एनटीए से भरी जाएगी। वहीं 60 प्रतिशत सीट आरक्षित हैं। जो केवल श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों से भरी जाएगी।

पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों ने रखे विचार

कॉस्मेटिक सर्जरी टूरिज्म के लिए फेमस हो रहा है भारत

बेधड़क | जयपुर

भारत अभी तक मेडिकल टूरिज्म के लिए फेमस था, लेकिन अब कॉस्मेटिक सर्जरी टूरिज्म के लिए पसंद बना रहा है। सस्ता कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट सिर्फ भारत में हो रहा है। ये विचार वैशाली नगर में 'चेंजिंग ऐरा ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड कॉस्मेटोलॉजी इन मरुधर' विषय पर हुई कॉन्फ्रेंस व पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों ने रखे।

आयोजन में राजस्थान भर के प्लास्टिक सर्जन, डर्मेटो लॉजिस्ट्स, कॉस्मेटो लॉजिस्ट्स, गायानोकॉलॉजिस्ट्स, न्यूट्रिशन, हैल्थ एक्सपर्ट व एंडो क्रायनोलॉजिस्ट्स शामिल हुए। विशेषज्ञों ने कहा, कि आने वाले समय में छोटे शहरों व गांवों में कॉस्मेटिक सर्जरी व एडवांस स्किल ट्रीटमेंट का रूझान बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, जिस प्रकार कोई टेक्नोलॉजी के एडवांस वर्जन होते हैं और कार्यशैली व परिणाम भी उसी पर निर्भर होते हैं। उसी प्रकार स्किन ट्रीटमेंट व कॉस्मेटिक सर्जरी इंडस्ट्री में रिजल्ट एडवांस मशीनरी पर निर्भर करते हैं। जितनी एडवांस मशीनरी होगी, उतने ही बेहतर रिजल्ट होंगे। डॉ. पिंकी सरकार भाटिया ने कहा, कि आजकल बाजार में रेटिनॉल, विटामिन सी, सेलिक एसिड, कॉलिक एसिड उपलब्ध है, जिन्हें आज की जनरेशन सुंदर दिखने के लिए विशेषज्ञों की सलाह के बिना उपयोग कर रही है। इस वजह से कुछ समय के बाद सीरियस स्किन डैमेज हो रहा है और अर्ली एजिंग की समस्या होने लगी है। किसी भी तरह का स्किन कैमिकल यूज करने से पहले डॉक्टर्स से उसकी सही क्वांटिटी जानना जरूरी है। डॉ. शैलेंद्र जांदू ने बताया, कि पीआरपी, प्लेटलेट विद ग्रोथ ट्रांसप्लांट जैसी टेक्नोलॉजी आ चुकी हैं। ब्लड से ही प्लेटलेट्स निकालकर उसके सिर में इंजेक्ट कर दिया जाता है, जिससे बालों की रीग्रोथ संभव हो पाती है। हेयर ट्रांसप्लांट जल्दी कराना हेयर फॉल व गंजापन नहीं रोक सकता। उसके लिए सही डाइट व उपयुक्त समय पर ट्रीटमेंट जरूरी है।

कश्मीरी कवयित्री के जीवन पर आधारित नाटक

एक्ट्रेस मीता वशिष्ठ ने कश्मीरी कवि पर जिया 'लल देद'

बेधड़क | जयपुर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ने जब गुलाबी नगरी में मंच पर लाइव कलाकारी दिखाई तो असली अभिनय सामने आया। ये थीं अभिनेत्री मीता वशिष्ठ, जिन्होंने 14वीं सदी के कश्मीरी रहस्यवादी-कवि पर आधारित एकांकी नाटक 'लल देद' को जिया। गौरतलब है कवि की भूमिका निभाने वाली मीता वशिष्ठ ने 2004 में लॉन्च होने के बाद से भारत और विदेशों में नाटक के 55 शो किए हैं। राजेश झा ने नाटक का हिंदी में अनुवाद किया, जबकि विष्णु माथुर और वशिष्ठ ने स्क्रिप्ट के लिए संरचना बनाने में सहयोग किया। नाटक मीता वशिष्ठ द्वारा निर्देशित और प्रस्तुत हिंदी, अंग्रेजी और कश्मीरी में एक एकल प्रदर्शन है। 14वीं सदी की सबसे प्रसिद्ध महिला रहस्यवादी-कश्मीर की कवयित्रीः प्रतिष्ठित लल देद 700 साल पहले से लेकर आज तक सभी कश्मीरियों, हिंदुओं और मुसलमानों के लिए साझा आदर्श बनी हुई है। नाटक ऐसी महिला पर आधारित है। लल देद कौन है? रहस्यवादी और सशक्त कवयित्री थीं। वह वर्षों तक कश्मीरी चेतना में बनी रहीं। जब मीता वशिष्ठ ने कश्मीर की यात्रा की तो लोग लल देद के बारे में ऐसे बात करते थे मानो वह अभी भी जीवित हो।

दमखम दिखाएंगी टीमें

गोवा में 37वें राष्ट्रीय खेलों के लिए हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की पुरुष व महिला और बीच पुरुष टीम ने क्वालीफाई किया है। इन खेलों में भाग लेने के लिए रविवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम पर तीनों टीमों के चयन के लिए चयन स्पर्द्धा का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि ट्रायल के लिए इच्छुक खिलाड़ी आधार कार्ड व मूल निवास प्रमाण पत्र लेकर आएंगे।

कार्यक्रम पी से पीरियड्स' प्रोजेक्ट पर चर्चा

मेंस्ट्रुअल वेल बीइंग के बारे में जागरूकता बढ़ाने की पहल

बेधड़क | जयपुर

समाज में वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए, ग्रासरूट लेवल पर परिवर्तन की शुरुआत करना आवश्यक है। हर व्यक्ति को चेंजमेकर बनने के लिए सशक्त करना जरूरी है और ये ही 'पी से पीरियड्स' प्रोजेक्ट का मूल है। ये पीडीकेएफ और प्रोजेक्ट बाला का कोलेबौरेटिव प्रयास है, जिसका उद्देश्य 'मेंस्ट्रुअल वेल बीइंग' के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। पीडीकेएफ की जनरल सेक्रेटरी गौरवी कुमारी ने 'पी से पीरियड्स' प्रोजेक्ट के लॉन्च इवेंट में पैनल चर्चा की। गौरवी ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को तिरस्कार की नजर से नहीं देखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

किसी भी महिला को मासिक धर्म के कारण उसके काम में बाधा न आए। इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव लाने में डिजिटल और सोशल मीडिया द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार और लेखक रूबल नेगी और प्रोजेक्ट बाला की संस्थापक सौम्या डाबरीवाला उपस्थित थीं। रूबल ने युवाओं विशेषकर लड़कों को शामिल करने के महत्व और उन्हें मासिक धर्म के बारे में शिक्षित करने और मौजूदा वर्जनाओं को तोड़ने की आवश्यकता के बारे में बात की।

बायोडिग्रेडेबल प्रोजक्ट बना रहा पीडीकेएफ

प्रोजेक्ट बाला के बारे में बात करते हुए सौम्या ने कहा, कि यह इनोवेटिव मेंस्ट्रुअल हैल्थ के लिए समाधान प्रदान करता है, जो रोजगार पैदा करने के साथ पीरियड पॉवर्टी और पीरियड निरक्षरता को समाप्त करने के लिए काम कर रहा है। प्रोजेक्ट ऐसे पैड बना रहा है, जो बायोडिग्रेडेबल हैं और दो वर्ष तक दोबारा इस्तेमाल किए जा सकते हैं। यह मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को सस्ता और सुलभ बना रहा है। पैनल चर्चा का संचालन पारुल कामरा ने किया। इस अवसर पर महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी रमा दत्त, मेंस्ट्रुअल चैंपियंस और बड़ी संख्या में विभिन्न स्कूलों के स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

इजराइल ने ढेर किया हमास का इंटेलिजेंस डिप्टी हेड

10/7 के हमले की साजिश में था शामिल

याहया सिनवार

शदी बड़ौद, डिप्टी हेड

एजेंसी | तेल अवीव

गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ जारी जंग में इजराइल को बड़ी सफलता मिली है। इजराइल ने हमास इंटेलिजेंस के डिप्टी हेड शदी बड़ौद को मार गिराया है।

शदी बड़ौद ने हमास नेता याहया सिनवार के मिलकर 7 अक्टूबर को इजराइल में हुए हमले की साजिश रची थी। सिनवार 7 अक्टूबर को इजराइल में हुए कत्लेआम का मास्टर माइंड है। इजराइली सेना के मुताबिक बड़ौद पहले खान यूनिस क्षेत्र में एक बटालियन कमांडर था। उसने हमास के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा करने में अहम भूमिका निभाई। बड़ौद पर इजराइली नागरिकों के खिलाफ कई आतंकी हमलों की साजिश रचने का आरोप था।

बता दें, फिलिस्तीन के संगठन हमास और इस्लामिक जिहाद ने 7 अक्टूबर को इजराइल पर भीषण हमला किया था। इस हमले में 1400 लोगों की मौत हुई है, जबकि 5000 से ज्यादा लोग घायल हैं। इतना ही नहीं, हमास और इस्लामिक जिहाद ने 220 नागरिकों को अभी भी बंधक बना रखा है।

एयर स्ट्राइक का वीडियो किया जारी

इजराइली सेना ने एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें इजराइली एयरफोर्स के विमान एक इमारत को निशाना बना रहे हैं। इजराइल के मुताबिक इसी हमले में बड़ौद ढेर हो गया। इससे पहले भी इजराइल ने हमास और लेबनान के हिज्बुल्ला के कई कमांडर्स को ढेर कर दिया है। इधर, मीडिया रिपोर्ट के अनुसार IDF ने खुफिया जानकारी के आधार पर हमास के 3 सीनियर ऑपरेटिव के ठिकानों पर भी हमला किया। इसमें दराज तुफ्फाह बटालियन के तीन सीनियर ऑपरेटिव मारे गए।

अमेरिका ने किया ग्रीन कार्ड से जुड़ा बड़ा ऐलान

भारतीयों का फायदा

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका ने ग्रीन कार्ड से जुड़ा एक बड़ा ऐलान किया है। इस ऐलान से वहां ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे विदेशियों, खासतौर पर भारतीयों को खासा फायदा होने वाला है। इसके तहत आवेदन प्रक्रिया की शुरुआती चरण में एंप्लॉयमेंट ऑथराइजेशन कार्ड और दूसरे जरूरी ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स जारी करने की सिफारिश की गई है। वाइट हाउस के एक आयोग ने इस बारे में जरूरी निर्देश जारी किए हैं। अगर इस घोषणा पर अमल हुआ तो अमेरिका में काम कर रहे आठ लाख विदेशियों को फायदा मिलेगा। इसमें बड़ी तादाद में भारतीय भी शामिल हैं।

खास बात यह है कि इसमें वे एप्लीकेंट्स भी शामिल होंगे जो 5 साल से अधिक समय से बैकलॉग में हैं और 2018 में अप्लाई किया था। एशियाई अमेरिकी, मूल निवासी हवाईयन और प्रशांत द्वीप समूह (एएएनएचपीआई) मामलों के लिए वाइट हाउस आयोग ने गुरुवार को इस सिफारिश को मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव को अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुहर लगने का इंतजार है।

18 महीने लग सकते हैं लागू करने में

अनुमान के मुताबिक इसे लागू करने में 18 महीने से अधिक का समय लग सकता है। प्रस्ताव के अनुसार गृह सुरक्षा विभाग की अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (डीएचएस यूएससीआईएस) को उन लोगों को रोजगार प्राधिकार दस्तावेज (ईएडी) और यात्रा दस्तावेज देने चाहिए जिन्होंने ईबी-1, ईबी-2, ईबी-3 श्रेणियों में आई-140 रोजगार आधारित वीजा याचिकाओं को मंजूरी दी है और पांच या उससे अधिक साल से वीजा बैकलॉग में इंतजार कर रहे हैं।

दूर होगी कर्मचारियों की कमी

प्रस्ताव के अनुसार यह विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल और एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों जैसे क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी दूर करेगा। इसके अलावा ग्रामीण समुदायों में अंतराल को पाटेगा और विशेष नौकरियों के मौके बढ़ेंगे। इस नियम के बिना, बैकलॉग में वे गिरमिटिया नौकर हैं जिन्हें लगातार अपना वर्क वीजा (एच-1 बी / एल-1) को रिन्यू करना होगा। इस प्रॉसेस के दौरान वे स्वतंत्र रूप से यात्रा नहीं कर सकते हैं। दो महीने से अधिक समय तक बेरोजगार नहीं रह सकते। इसके अलावा उनके लिए नौकरी बदलना भी आसान नहीं होगा।

मालदीव: नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का बड़ा बयान

भारतीय सैनिकों को जाना होगा यहां से

एजेंसी | माले

मालदीव के नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का बड़ा बयान आया है कि मालदीव पूरी तरह से स्वतंत्र होने का इरादा रखता है और वहां तैनात भारतीय सैनिकों को वहां से चले जाने के लिए कहेगा, क्योंकि नई दिल्ली और बीजिंग दोनों ही इस क्षेत्र में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा

कर रहे हैं। चुनावी अभियान के दौरान, मुइज्जू ने इब्राहिम सोलिह पर मालदीव के मामलों पर भारत को अनियंत्रित प्रभुत्व देने और भारतीय सैनिकों को वहां तैनात करने की अनुमति देकर देश की संप्रभुता को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था।

हिंद महासागर द्वीपसमूह के नवनिर्वाचित प्रमुख मुइज्जू ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, "यहां भारतीय विदेशी सैन्य उपस्थिति होती है।" उन्होंने कहा कि अगर सैनिक किसी अन्य देश के होते तो भी उनकी प्रतिक्रिया यही होती। भारतीय सैनिकों को लेकर दिए गए बयान पर उन्होंने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि मैं चीन या किसी अन्य देश को अपने सैन्य जवानों को यहां लाने की अनुमति दूंगा।

चीन के पूर्व पीएम केकियांग का निधन

बीजिंग। चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे। ली करीब एक दशक 2013-23 तक चीन के दूसरे नंबर के नेता रहे और निजी व्यवसाय के पैरोकार रहे। उन्हें गुरुवार को दिल का दौरा पड़ा। उनका देर रात 12 बजकर 10 मिनट पर निधन हो गया। ली को अनौपचारिक सेवानिवृत्ति आयु से दो साल पहले ही में पार्टी की स्थाई समिति से हटा दिया गया था।

पाकिस्तान: राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के संदेह पर चुनाव में विलंब खारिज

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा देश में आम चुनाव के समय को लेकर संदेह जताए जाने के बाद निर्वाचन आयोग ने भरोसा दिलाया है कि चुनाव को स्थगित करने का सवाल ही नहीं उठता। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में जनवरी में आम चुनाव प्रस्तावित हैं।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी

एक समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में राष्ट्रपति अल्वी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि अगले साल जनवरी में चुनाव होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने कई प्रयास किए हैं, जिनमें ईसीपी को पत्र लिखना भी शामिल है। राष्ट्रपति के रूप में नियुक्ति से पहले अल्वी पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई के संस्थापक सदस्य रहे हैं। इमरान खान फिलहाल जेल में हैं। राष्ट्रपति के मुताबिक कानून मंत्रालय ने उन्हें बताया कि यह उनका (राष्ट्रपति अल्वी) विशेषाधिकार नहीं है।

सुलझ नहीं रही मिस्ट्री

तीन सितारे रहस्यमयी ढंग से गायब!

एजेंसी | नई दिल्ली

आकाश में सितारों की दुनिया का एक ऐसा रहस्य है, जिससे खगोल वैज्ञानिक भी दंग रह गए। एस्टेरॉयड और दूसरे खगोलीय पिंडों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए करीब 71 साल पहले जुलाई 1952 को पालोमर एस्ट्रोनॉमिकल रिसर्च के साइंटिस्ट आसमान की फोटोग्राफी कर रहे थे। वैज्ञानिक अलग-अलग एंगल से तस्वीरें ले रहे थे कि एकाएक कुछ ऐसा हुआ कि वो हैरान रह गए। तीन तारे अचानक गायब हो गए। दरअसल, उस रात को करीब 8 बजकर 52 मिनट पर फोटोग्राफिक प्लेट पर तीन तारों की मौजूदगी दर्ज की गई थी। वे तीनों तारे एक दूसरे के करीब थे और उनमें चमक भी कुछ अधिक थी, लेकिन महज 53 मिनट के बाद यानी करीब 9 बजकर 45 मिनट पर जब आसमान के उसी हिस्से की दोबारा फोटोग्राफी हुई तो वे तीनों तारे गायब थे।

खोजने पर भी नहीं मिले रहस्य

वैज्ञानिकों को काफी खोजबीन के बाद भी किसी तरह के साक्ष्य भी नहीं मिले कि आखिर कैसे ये तारे गायब हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक तारे ऐसे ही गायब नहीं होते हैं। ऐसा हो सकता है कि उन तारों में विस्फोट हुआ हो या उनकी चमक इतनी बढ़ गई कि उन्हें कैमरे कैद नहीं कर सके, लेकिन पूरी तरह से गायब होना किसी अचंभे से कम नहीं था। वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर 8.52 मिनट पर फोटोग्राफी को रिकॉर्ड नहीं किया गया होता तो एक पल के लिए गफलत को माना जा सकता था। अब इन सवालों पर मंथन होने लगा कि तारों के गायब होने के पीछे की वजह क्या रही होगी।

कई तर्क हैं इस बारे में

एक तर्क यह है कि संभव है कि उन तारों की चमक एकाएक धीमी पड़ गई हो। इस वजह से कैमरे 9:45 बजे उन्हें कैद नहीं कर सके। दूसरा तर्क यह दिया गया कि वो इकलौता तारा रहा हो और ट्रांजिशन फेज में गुजरने की वजह से वो तीन तारों में नजर आए हों। तीसरा तर्क था कि वो सब खगोलीय पिंड नहीं थे। आसमानी हलचलों की वजह से वो धूल के कण हो सकते थे। टेस्ट की वजह से जो रेडियोएक्टिव धूल उड़ा करती थी उसकी वजह से फोटोग्राफिक प्लेट में अशुद्धि आई हो और उसकी वजह से कुछ तस्वीरों में चमकीले धब्बे देखे गए हों।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl